RNI No. : TNHIN/2013/52520 · वर्ष - 13 · अंक - 247 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · चेन्नई » रविवार » 05-04-2026 · www.dakshinbharat.com · Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अब छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में भारी कमी आई : आदित्यनाथ

6 सिपाही रूपम गोगोई : घने जंगल में गुप्त ठिकाना ढूंढ़कर आतंकवादियों का किया खात्मा

7 दौड़ने और दिखावे की दुनिया में अनु अग्रवाल ने सिखाया 'ठहरने' का हुनर

फर्स्ट टेक

वैध पहचान पत्र दिखाकर मिलेगा 5 किलो का सिलेंडर : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने प्रवासी मजदूरों और छात्रों को राहत देते हुए उनकी रसोई गैस की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कहा है कि वे वैध पहचान पत्र दिखाकर एलपीजी वितकर से सिलेंडर ले सकते हैं इसके लिए उनके पास पते का प्रमाण पत्र होना जरूरी नहीं है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पश्चिम एशिया संकट के मद्देनर सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, और लोग पेट्रोल और डीजल की घबराहट में खरीदारी तथा एलपीजी की अनावश्यक बुकिंग से बचें।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान को चेतावनी दी

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई छह अप्रैल की समय सीमा की याद दिलाते हुए कहा कि इसका पालन नहीं करने पर उसे विनाशकारी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ''याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था।'' उन्होंने कहा, ''समय तेजी से बीत रहा है, 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'' इस बीच, ईरान में नष्ट किए गए अमेरिकी लड़ाकू विमान पर ट्रंप प्रशासन ने अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिका ने की लापता पायलट की तलाश तेज

तेल अवीव/एपी। ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद लापता हुए पायलट की तलाश अमेरिका ने शनिवार को तेज कर दी। वहीं, ईरान ने लोगों से पायलट के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया और इनाम का वादा किया। ईरान ने अमेरिका के 'एफ-15ई स्ट्राइक ईगल' नामक लड़ाकू विमान सहित दो विमानों को शुक्रवार को मार गिराने का दावा किया था। इस दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया और कम से कम एक पायलट अब भी लापता है। क्षेत्र में गत छह सप्ताह से जारी युद्ध में पहली बार है जब अमेरिका ने ईरानी क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान को खोया है और यह अभियान में एक नया मोड़ साबित हो सकता है। इजराइल और अमेरिका द्वारा शनिवार को ईरान पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले जारी रहे। वहीं, ईरान द्वारा किए गए ड्रोन हमले में दुबई स्थित अमेरिकी तकनीक दिग्गज कंपनी ओरेकल के मुख्यालय को नुकसान पहुंचने की खबर है।

संघर्ष के युग में गांधी का अहिंसा सिद्धांत आगे का मार्ग प्रशस्त करता है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि संघर्ष, विभाजन और असहिष्णुता से भरे इस युग में महात्मा गांधी का अहिंसा का सिद्धांत मानवता के लिए एक सशक्त मार्ग प्रशस्त करता है।

पूर्वी चंपारण जिले में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्र विकास और नवाचार के नए द्वार खोल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से इन प्रगति को जिज्ञासा और जिम्मेदारी के साथ अपनाने का आग्रह किया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि गौतम बुद्ध को बिहार में ज्ञान प्राप्त हुआ था और गांधी जी को चंपारण की इसी भूमि में अपनी सच्ची 'कर्मभूमि' मिली थी।''

स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे राष्ट्रवाद को अपनाने और 'एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने' का आग्रह किया

उप राष्ट्रपति ने कहा कि चाहे बौद्ध धर्म हो, जैन धर्म हो या समाजवादी क्रांति का विचार, सब कुछ ने यहीं आकार लिया। उन्होंने कहा, ''बिहार ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण जैसे दूरदर्शी व्यक्तित्व को जन्म दिया जिन्होंने भारत की नैतिक और राजनीतिक चेतना को आकार दिया। मैं स्वयं, 18 या 19 वर्ष की उम्र में, 1974 में कोयंबटूर के जिला महासचिव के रूप में जेपी आंदोलन से गहराई से जुड़ा था।''

उपराष्ट्रपति ने भारत की सामाजिक-राजनीतिक स्थिति को ऊपर उठाने में कर्पूरी ठाकुर, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और परोपकारी महारानी जानकी कुंवर के योगदान को याद किया।

स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे राष्ट्रवाद को अपनाने और 'एक स्वस्थ और सुदृढ़ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने' का आग्रह किया जो अनैतिक चीजों को कभी स्वीकार न करे। उन्होंने कहा, ''आज जब आप अपनी उपाधियां प्राप्त कर रहे हैं, तो आपसे भारत की समृद्ध विरासत का पथप्रदर्शक बनने की अपेक्षा की जाती है। आप महात्मा गांधी के आदर्शों को आगे बढ़ाएं और एक मजबूत, समृद्ध और विकसित भारत की प्राप्ति में योगदान दें।''

उपराष्ट्रपति ने छात्रों को व्यक्तिगत विकास और समाज को सशक्त बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्र संभावनाओं को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और विकास तथा नवाचार के नए रास्ते खोल रहे हैं। मैं आपको जिज्ञासा और जिम्मेदारी के साथ इन प्रगति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।''

तीन-भाषा फॉर्मूले को स्टालिन ने हिंदी थोपने का 'गुप्त' तंत्र बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा हाल में जारी की गयी पाठ्यक्रम रूपरेखा का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि तथाकथित ''तीन-भाषा फॉर्मूला'' वास्तव में गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के विस्तार का ''एक गुप्त'' तंत्र है।

राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष ने कहा कि सीबीएसई की यह पाठ्यक्रम रूपरेखा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप है। यह कोई साधारण शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि भाषा थोपने की एक सोची-समझी और चिंताजनक कोशिश है, जो उनकी लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं को सही साबित करती है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ''भारतीय भाषाओं'' को बढ़ावा देने के नाम पर भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार एक एजेंडा आगे बढ़ा रही है, जिसमें हिंदी को प्राथमिकता दी जा रही है और भारत की समृद्ध व विविध भाषाई विरासत को व्यवस्थित रूप से हाशिए पर धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा, तथाकथित तीन-भाषा फॉर्मूला वास्तव में गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी के विस्तार का एक गुप्त तंत्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि दक्षिणी राज्यों के छात्रों के लिए यह रूपरेखा व्यवहारिक रूप से अनिवार्य ''हिंदी शिक्षा'' में तब्दील हो जाती है।

उन्होंने सवाल उठाया, ''लेकिन पारस्परिकता कहां है? क्या हिंदी भाषी राज्यों के छात्रों के लिए तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम या बंगाली और मराठी जैसी भाषाएं सीखना अनिवार्य किया जाएगा?

चंद्रमा की आधी दूरी तय कर चुके हैं आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा का आधा रास्ता पार कर चुके आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री शनिवार को कनाडा में सम्मानित किए गए। यह सम्मान उनके उस ऐतिहासिक प्रयास के लिए था, जिसमें वे चंद्रमा की परिक्रमा करते हुए अंतरिक्ष में अपोलो मिशनों से भी अधिक गहराई तक जाएंगे।

तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री सोमवार को अपने गंतव्य पर पहुंचेंगे और चक्कर लगाते हुए चंद्रमा के रहस्यमय सुदूर भाग की तस्वीरें लेंगे। यह 53 वर्षों से अधिक समय में चंद्रमा पर जाने वाला पहला मानव दल है, जो नासा के अपोलो कार्यक्रम के अधूरे काम को आगे बढ़ा रहा है।

आर्टेमिस-2 मानव द्वारा दूरी का रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है, जो पृथ्वी से 400,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद चंद्रमा के पीछे यू-टर्न लेकर बिना रुके या चंद्र कक्षा में प्रवेश किए बिना घर की ओर लौटेगा। यह रिकॉर्ड वर्तमान में अपोलो 13 के नाम है।

भारतीयों की सुरक्षा मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधानमंत्री मोदी

पश्चिम एशिया को लेकर कांग्रेस पर ''भड़काऊ'' बयान देने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्ला (केरल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव पैदा करने के उद्देश्य से ''भड़काऊ'' बयान देने का आरोप लगाया, ताकि उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाया जा सके और इस तरह राजनीतिक फायदा प्राप्त किया जा सके। कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे केवल चुनाव जीतने के बारे में ही चिंतित हैं। मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली में कहा, ''मैं यह बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन भारतीयों की सुरक्षा, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में रहने वाले केरल के लोगों की सुरक्षा, मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मैं इसे सुनिश्चित करूंगा।''

कांग्रेस को सिर्फ राजनीति और सत्ता की परवाह है। उन्हें भारत की जनता की कोई परवाह नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खाड़ी देशों में काम करने और रहने वाले केरल के लाखों लोगों के अलावा, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण गोवा, तमिलनाडु और अन्य राज्यों के मछुआरे ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में फंसे हुए हैं।

मोदी ने कहा, ''हम उन्हें सुरक्षित वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेस को इसकी कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस ऐसे बयान दे रही है, जिनसे पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में तनाव पैदा होने का खतरा है और अनावश्यक दहशत फैलाई जा रही है। यह सब सिर्फ मुझ पर राजनीतिक हमले करने के लिए किया जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''उन्हें सिर्फ राजनीति और सत्ता की परवाह है। कांग्रेस को भारत की जनता की कोई परवाह नहीं है। कांग्रेस ने केरल की जनता के भरोसे को तोड़ दिया है। उन्हें जनता और देश से माफी मांगनी चाहिए।''

चीनी सीसीटीवी के मामले में

नागरिकों की सुरक्षा जोखिम में डाल रही सरकार : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चीनी सीसीटीवी कैमरों के मुद्दे पर संसद में पूछे गए प्रश्न और सरकार के जवाब का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार विदेशी निगरानी की सच्चाई छिपाकर हर नागरिक की सुरक्षा को जोखिम में डाल रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने लोकसभा में 25 मार्च को सीसीटीवी के संबंध में अतारांकित प्रश्न पूछे थे।

राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, सरकार ने हाल में चीनी सीसीटीवी कैमरों के सार्वजनिक उपयोग पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन सरकारी इमारतों के भीतर ये कैमरे अब भी लगे हुए हैं। प्रतिबंधित चीनी ऐप बदले हुए नामों के साथ फिर सामने आ रहे हैं। विदेशी एआई मंच संवेदनशील डेटा प्रोसेस कर रहे हैं और सरकार के पास इन सब पर कहने के लिए कुछ नहीं है।

रायबरेली से सांसद ने कहा, मैंने संसद में इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से सवाल पूछा। जवाब में बहुत कुछ कहा गया, लेकिन जो पूछा गया था, उसका कोई स्पष्ट उत्तर नहीं मिला।

गांधी के अनुसार, उन्होंने पूछा था कि देश में उपयोग हो रहे कैमरे किन देशों से आए हैं, उनमें से कितने सुरक्षा मानकों पर खरे उतरे हैं, कौन से विदेशी एआई मंच सरकारी डेटा प्रोसेस कर रहे हैं और कौन से प्रतिबंधित ऐप बदले नामों के साथ अब भी संचालित हो रहे हैं? उन्होंने कहा कि मंत्रालय के जवाब में न कोई ठोस आंकड़ा दिया गया और न ही किसी मंच का नाम बताया गया। उन्होंने कहा, पांच साल पहले यह स्वीकार किया गया था कि सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 10 लाख चीनी कैमरे डेटा ट्रांसफर के जोखिम पैदा करते हैं, लेकिन आज भी सरकार यह नहीं बता रही कि मौजूदा कैमरे सुरक्षित हैं या नहीं।

सूर्यास्त	सूर्योदय
05-04-2026	06-04-2026
6:20 बजे	6:02 बजे

BSE	NSE
73,319.55	22,713.10
(+185.23)	(+33.70)

सोना	चांदी
15,541 रु.	241,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कूढ़मगज लोग

भाषाओं को यदि बाँध दिया,
धर्मों के थोथे बंधन में।
तो फर्क नहीं कर पाएंगे,
हम कभी नीम व चंदन में।
भाषाएं देती संस्कार,
मानव के जड़ चेतन मन में,
आओ तज कूढ़मगजियां सब,
हर भाषा के अभिनंदन में।।

वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा भारत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष की ओर इशारा करते हुए शनिवार को कहा कि वैश्विक सकंट के बीच भारत मजबूती से उभरा है और हालात का डटकर मुकाबला किया है। जयशंकर ने यहां स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर फरवरी में हमले शुरू किए जाने से उत्पन्न पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित किया है तथा हाइड्रोकार्बन की कमी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण की व्यापकता के चलते संघर्ष का असर दूर-दराज के समाजों पर भी गहराई से पड़ा है। जयशंकर ने कहा, ''अब हम दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल ही में आए कई वैश्विक झटकों ने हमारी सहनशक्ति की परीक्षा ली है, और भारत उनसे मजबूती से उबरकर बाहर निकला है। हमने घरेलू और बाहरी, दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया है।'' उन्होंने कहा कि ज्यादा समावेशी विकास, प्रतिनिधि राजनीति और निर्णायक नेतृत्व ने एक नई नींव रखी है।

रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे पर ड्रोन हमले किए

कीव/एपी। रूस और यूक्रेन द्वारा शुक्रवार रात और शनिवार सुबह एक दूसरे के ठिकानों को निशाना बनाकर किये हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए जबकि कई अन्य घायल हो गए। दोनों देशों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किये गए हैं, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैय्यब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का 'ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन' के आध्यात्मिक नेता, इक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। जेलेंस्की ने इस्तांबुल पहुंचने के बाद मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम यूरोप और पश्चिम एशिया में जीवन की वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करने, स्थिरता को बढ़ावा देने और सुरक्षा की गारंटी देने के लिए अपनी साझेदारी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। संयुक्त प्रयास हमेशा सर्वोत्तम परिणाम देते हैं।'' यूक्रेन की वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में कहा कि रूस ने शुक्रवार की रात को 286 ड्रोन हमले किये।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भारत को चेतावनी दी

भविष्य में अगर संघर्ष हुआ तो पाकिस्तान कोलकाता पर हमला करेगा : ख्वाजा आसिफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा।

आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।''

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि ''वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है।''

हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया।

बृहस्पतिवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ''त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक'' होगी।

इसरो की मई में अगले प्रक्षेपण की तैयारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि इसरो मई में अपने अगले प्रक्षेपण की दिशा में काम कर रहा है और नये वित्त वर्ष में कई मिशन निर्धारित हैं। नारायणन ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 'आर्टेमिस' कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव को एक बार फिर उतारना है तथा 'आर्टेमिस-2' उस लक्ष्य की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि यह मौजूदा मिशन कक्षीय है, जिसमें अंतरिक्ष यान पृथ्वी पर लौटने से पहले चंद्रमा की परिक्रमा करेगा।

नारायणन ने 'इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स केरल' की ओर से शुरू किया गया केपीपी नांबियार पुरस्कार 2025 प्राप्त करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हम निकट भविष्य में होने वाले प्रक्षेपणों की तैयारी कर रहे हैं। वित्त वर्ष अभी शुरू ही हुआ है, कई मिशनों की योजना है और हमारा लक्ष्य मई से प्रक्षेपण शुरू करना है।''

एलडीएफ सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्ला (केरल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और केरल में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आयेगा। मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एलडीएफ सरकार की विदाई करने के लिए काफी उत्साह दिखाया है। राज्य विधानसभा की 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा राज्य की सत्ता में आती है, तो वह केरल में विकास सुनिश्चित करेगी, जैसा कि उसने गोवा और पूर्वोत्तर के सात राज्यों में से छह में किया है, जहां वह सत्ता में है और वहां ईसाई आबादी काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि केरल में अपार संभावनाएं हैं, फिर भी विकास की दौड़ में यह अन्य राज्यों से पीछे है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की स्थिति खराब है, क्योंकि एलडीएफ और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र में राजग सरकार ने केरल के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है, जबकि राज्य में अभी तक भाजपा की सरकार नहीं रही है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने केरल में विकास पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकारों की तुलना में पांच गुना अधिक खर्च किया है। मोदी ने राज्य में वामपंथी सरकार पर शबरि रेल परियोजना में देरी करने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि इससे तिरुवल्ला के लोगों को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि जब केरल में भाजपा की 'डबल इंजन' वाली सरकार सत्ता में आएगी, तो सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी और ''यह मोदी की गारंटी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे देश में, अगर किसी समूह को राजग की नीतियों से सबसे ज्यादा फायदा होता है, तो वे ''मेरी माताएं, बहनें, बेटियां और महिलाएं'' हैं। मोदी ने केरल से रोजगार के लिए युवाओं के पलायन का भी जिक्र किया और कहा कि यह राज्य की सबसे बड़ी समस्या है। भ्रष्टाचार व सांप्रदायिकता केरल के विकास में दो सबसे बड़ी बाधाएं हैं और इनसे निपटने के लिए एलडीएफ को हराना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में जारी संघर्ष का जिक्र किया और कांग्रेस नेताओं पर संकट के बीच 'अविश्वास' या भय पैदा करने वाले बयान देने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा, ''कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है, जाहिर तौर पर वह मुझ पर हमला करने और राजनीतिक लाभ पाने के लिए ऐसा कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता खाड़ी देशों में रहने वाले केरल के मेरे भाइयों और बहनों की सुरक्षा है।''

सहज स्मृति योग

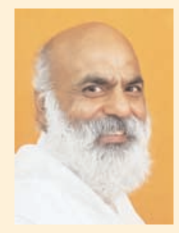

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, रुचि और चुनाव में क्या सम्बन्ध है ? कौन प्राथमिक है रुचि या चुनाव?

उत्तर: दोनों में पारस्परिक रूप से अन्योन्याश्रित होने का सम्बन्ध है। जो किसी की रुचि अच्छी हुई तो उसका चुनाव अच्छा होगा और चुनाव अच्छा होगा तो रुचि सुरुचि में रूपांतरित होती जाएगी। और एक समय में उसके निर्णय निर्विकल्प अवस्था वाले हो जायेंगे। सैद्धान्तिक और परमार्थिक स्वरूप में तो चुनाव ही प्राथमिक है। किंतु, जागतिक स्तर पर रुचि प्राथमिक है। क्योंकि, व्यक्ति यदि आत्मानुशासित है, ज्ञानवान और चरित्रवान है तो वह सुरुचि पूर्ण होगा और रुचि के अनुसार और विवेक के अनुकूल ही चुनाव करेगा। पारमार्थिक व्यक्ति तो विवेक वान होते ही हैं इसीलिए वे पारमार्थिक हो पाते हैं । इसलिए यह अंतर स्पष्ट किया है ।

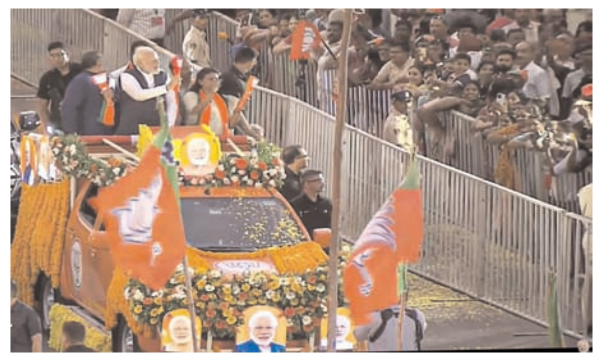

केरल चुनाव: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोडशो का नेतृत्व किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक रोडशो का नेतृत्व किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान को तेज कर दिया है।

तिरुवल्ला में एक जनसभा के बाद, मोदी शाम को राज्य की राजधानी पहुंचे और यहां किल्लीपलम से 1.5 किलोमीटर लंबा रोडशो शुरू किया। रोडशो में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और उत्साही समर्थक शामिल हुए और उन्होंने झंडे लहराते हुए तथा नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री की एक झलक पाने की कोशिश की।

राजीव चंद्रशेखर और आर श्रीलेखा समेत भाजपा के उम्मीदवार भी रोडशो में शामिल हुए। भाजपा के राज्य नेतृत्व को उम्मीद है कि मोदी के जोरदार प्रचार अभियान से उन्हें राज्य में जमीनी स्तर पर मजबूत पैठ बनाने और आगामी चुनावों में अच्छी खासी सीट पर जीत दर्ज करने में मदद मिलेगी।

जालंधर में अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ : पंजाब पुलिस

जालंधर/भाषा। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जालंधर के शेखेवाल गांव निवासी सूरज कुमार को शुक्रवार शाम पटारा इलाके के पास एक 'चेकपोस्ट' पर जांच के दौरान पुलिस ने पकड़ा।

जालंधर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी)-देहात, हरविंदर सिंह विर्क ने बताया कि पुलिस ने सूरज के कब्जे से पांच पिस्तौल और चार कारतूस बरामद किए। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी अपने साथी दविंदरपाल सिंह उर्फ दीपू और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ उत्तर प्रदेश के मथुरा क्षेत्र से अवैध हथियार और गोला-बारूद खरीदकर जालंधर और आसपास के इलाकों में आपूर्ति करता था। विर्क ने कहा कि पूरे 'नेटवर्क' का पता लगाने के लिए आरोपियों से पूछताछ जारी है और फरार सहयोगियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

पश्चिम एशिया संकट लंबा चला तो भारत का वैश्विक निर्यात प्रभावित होगा : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि यदि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष जारी रहा, तो इसका असर भारत के अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर भी पड़ेगा।

'चिंतन शिविर-फार्मा निर्यात वृद्धि' के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण पिछले महीने आयात और निर्यात दोनों पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ा, क्योंकि ऊर्जा भारतीय आयात बाजार का एक प्रमुख हिस्सा है।

अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, पश्चिम एशिया भी एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारे निर्यात का लगभग 12-13 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र में जाता है। इसलिए, इस पर सीधा असर पड़ेगा। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो संभवतः दुनिया के अन्य हिस्सों में होने वाले हमारे निर्यात भी प्रभावित होंगे क्योंकि कुछ मूल्य श्रृंखलाएं फिर से सामान्य स्थिति में आ जाएंगी। हम इस बात से अवगत हैं।

एक सवाल का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि इस संकट का वास्तविक प्रभाव आने वाले कुछ हफ्तों में स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार कोशिश कर रही है कि आपूर्ति श्रृंखला पर कम से कम असर पड़े, हालांकि आयात और निर्यात दोनों में कुछ कमी आ सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि भले ही युद्ध समाप्त हो जाए, लेकिन इसका असर कुछ महीनों या वर्षों तक बना रह सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन-सी आपूर्ति श्रृंखला या ढांचा प्रभावित हुआ है।

अग्रवाल के अनुसार, इन चुनौतियों से निपटने के लिए उद्योग को आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने बताया कि दवा क्षेत्र पर भी कुछ असर पड़ा है, खासकर जरूरी कच्चे माल और रसायनों की आपूर्ति पर।

उन्होंने कहा कि सरकार एलपीजी की सीमित उपलब्धता को प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में बांटने के लिए काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर अन्य स्रोतों से आयात भी किया जा रहा है।

मलप्पुरम में शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और चालक पर हमला, एक व्यक्ति हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम (केरल)/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और वाहन चालक पर वंडूर में पांच लोगों के समूह ने कथित तौर पर हमला किया, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। वंडूर पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और एक व्यक्ति फिलहाल हिरासत में है।

पुलिस ने बताया कि थरूर के सुरक्षाकर्मी रतीश के. पी. की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे वंडूर के तिरुवाली के पास चेल्लीथोडे में हुई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना उस वक्त हुई जब चेल्लीथोडे पुल पर जाम था और थरूर कांग्रेस नेता ए. पी. अनिलकुमार के चुनावी अभियान कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। प्राथमिकी के मुताबिक, दो वाहनों में सवार आरोपियों ने सांसद के वाहन को रोक दिया।

जब सुरक्षाकर्मी ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो उस पर और चालक पर कथित तौर पर हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि सड़क संकरी थी और सुरक्षाकर्मी ने सांसद के काफिले के मार्ग को सुगम बनाने के लिए आगे चल रहे वाहन को केवल गति बढ़ाने के लिए कहा था।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया और शेष आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग साथ है तो भाजपा चुनावों में 'आत्मनिर्भर': सिब्बल

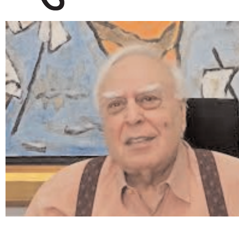

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह चुनावों में केवल तभी 'आत्मनिर्भर' है, जब तक निर्वाचन आयोग उसका सहयोग करता है। उन्होंने पांच ऐसे मतदाताओं का उदाहरण दिया, जो कथित तौर पर पश्चिम बंगाल और बिहार दोनों राज्यों में पंजीकृत हैं।

सिब्बल ने भाजपा पर ऐसे समय में कटाक्ष किया है जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि उनके राज्य की मतदाता सूची में बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अवैध मतदाताओं को शामिल करने की कोशिश की जा रही है। सिब्बल ने संवाददाताओं से कहा, मुद्दा यह है कि चुनाव में भाजपा तभी 'आत्मनिर्भर' है जब चुनाव आयोग उनके साथ है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पांच मतदाता पकड़े गए हैं, लेकिन ऐसे कई होंगे।

'क्योंकि मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं' : राघव चड्ढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के बीच शनिवार को उस समय जुबानी जंग तेज हो गई, जब चड्ढा ने पार्टी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ ''सुनियोजित अभियान'' चलाया गया है। आरोपों को ''झूठा'' करार देते हुए चड्ढा ने कहा, ''मैंने हमेशा संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया है; मैं वहां सरकार पर दबाव डालने के लिए हूं, हंगामा करने के लिए नहीं।'' फिल्म ''धुरंधर'' के एक संवाद का सहारा लेते हुए चड्ढा ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''हर झूठ का पर्दाफाश होगा। क्योंकि मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं।''

चड्ढा की यह प्रतिक्रिया आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा उन पर किए गए तीखे हमले के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में आवाज उठाने से कतराने का आरोप लगाया गया था। राज्यसभा में 'आप' के उपनेता पद से हटाए जाने के एक दिन बाद चड्ढा ने शुक्रवार को कहा था कि ''मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना।'' चड्ढा ने इस आरोप को ''सरासर झूठ'' बताया कि उन्होंने विपक्षी दलों के साथ बहिर्गमन नहीं किया। उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें जहां उन्होंने (बहिर्गमन में) भाग नहीं लिया हो।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के एक अन्य आरोप का खंडन करते हुए, चड्ढा ने कहा कि किसी भी पार्टी नेता ने औपचारिक या अनौपचारिक रूप से उनसे इस पर हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा था। चड्ढा ने कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उन्होंने कहा कि वह जवाब नहीं देना चाहते, लेकिन अगर झूठ को लगातार दोहराया जाए तो वो भी सच लगने लगता है। चड्ढा ने कहा, ''मुझ पर पहला आरोप यह लगाया गया कि मैंने विपक्ष के साथ बहिर्गमन नहीं किया। यह सरासर झूठ है, और मैं आपको (आम आदमी पार्टी) चुनौती देता हूं कि आप मुझे एक भी उदाहरण, एक भी घटना बताइए, जहां विपक्ष ने बहिर्गमन किया हो और मैंने उनका समर्थन न किया हो। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। मुझे फुटेज दिखाइए, सब स्पष्ट हो जाएगा।'' सांसद ने कहा, ''वे कह रहे हैं कि मैं डरा हुआ हूं इसीलिए बेकार के मुद्दे उठा रहा हूं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं संसद में हंगामा करने, चिल्लाने, माइक तोड़ने या अपशब्द कहने नहीं गया था। मैं वहां लोगों की समस्याओं को उठाने गया था।'' उन्होंने कहा कि संसद में उनका ध्यान जीएसटी, आयकर, दिल्ली में वायु प्रदूषण, पंजाब में जल संबंधी समस्याएं, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रेल यात्री मुद्दे, बेरोजगारी और महंगाई जैसे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने पर रहा है। चड्ढा ने कहा कि वह संसद में हंगामा करने के लिए नहीं, बल्कि जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने जाते हैं, क्योंकि यह करदाताओं के पैसे से चलती है और लोगों की चिंताओं को उजागर करना उनकी जिम्मेदारी है।

चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर हुए विस्फोट के सिलसिले में पांच लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। शहर में भाजपा की पंजाब इकाई के मुख्यालय के बाहर हुए विस्फोट की घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पंजाब पुलिस की 'काउंटर-इंटेलिजेंस' शाखा ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के मामले को सुलझा लिया।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''घटना में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और हमले में शामिल दो अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है।''

उन्होंने बताया कि अब तक एक ग्रेनेड और हथियारों का एक अन्य जखीरा बरामद किया जा चुका है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अभियान चला रही हैं।

ईरान के साथ भुगतान की कोई समस्या नहीं, कच्चे तेल की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि ईरान से कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है और रिफाइनरियां उस देश के साथ ही दुनिया भर के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से तेल हासिल कर रही हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट में उन खबरों को खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि ईरानी कच्चा तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर अपने पहले से संकेतित गंतव्य भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया है। मंत्रालय ने कहा कि ये दावे उद्योग के उस सामान्य अभ्यास की अनदेखी करते हैं, जहां परिचालन लचीलेपन के आधार पर यात्रा के दौरान कार्गो अपना गंतव्य बदल सकते हैं। यदि यह खेप भारत आती, तो लगभग सात वर्षों में ऐसी पहली खेप होती। मंत्रालय ने इन दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताया कि भुगतान बाधाओं के कारण कार्गो को गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन की ओर मोड़ा गया था।

मंत्रालय ने कहा, ''ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है।'' मंत्रालय ने स्पष्ट किया, ''भारत 40 से अधिक देशों से कच्चे तेल का आयात करता है, और कंपनियों के पास विभिन्न स्रोतों और भौगोलिक क्षेत्रों से तेल प्राप्त करने का पूर्ण लचीलापन है।'' मंत्रालय के अनुसार, ''पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं के बीच, भारतीय रिफाइनरियों ने ईरान सहित अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं को सुरक्षित कर लिया है, और अफवाहों के विपरीत ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई बाधा नहीं है।'' जहाजों पर नजर रखने वाली फर्म 'केपलर' ने शुक्रवार को कहा था कि 2002 में निर्मित और 2025 में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित टैंकर 'पिंग शुन' अब गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन के डोंगयिंग को अपना गंतव्य बता रहा है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि लगभग 44,000 टन ईरानी एलपीजी लाने वाला एक जहाज सी बर्ड दो अप्रैल को मंगलौर पहुंचा और इस समय माल उतार रहा है।

अनापत्ति प्रमाणपत्र वापस लिए जाने पर डीजे 'ब्लैक कॉफी' का कार्यक्रम रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। ग्रैमी पुरस्कार विजेता दक्षिण अफ्रीकी डीजे-ब्लैक कॉफी के भारत दौरे के गोवा चरण में आयोजित कार्यक्रम को शुक्रवार शाम को अधिकारियों द्वारा अंतिम समय में अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) वापस लिए जाने की वजह से रद्द कर दिया गया।

अधिकारियों ने अनापत्ति प्रमाण पत्र को वापस लेने के इस कदम के पीछे गुड फ्राइडे को कारण बताया। उन्होंने शनिवार को बताया कि स्थानीय भावनाओं का सम्मान करने और गुड फ्राइडे के धार्मिक महत्व के मद्देनजर 'सनसेट-टू-नाइट' नाम से आयोजित करने के लिए पूर्व में दी गई अनुमति वापस ले ली गई। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस ने आयोजकों के खिलाफ राज्य के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा जांच कराए जाने की मांग की।

'अंजुना कम्यूनिडेड' द्वारा अनुमति रद्द करने का निर्णय स्थानीय लोगों और कांग्रेस द्वारा गुड फ्राइडे के पवित्र अवसर और आगामी ईस्टर रविवार का हवाला देते हुए आपत्ति जताने के बाद लिया गया। 'अंजुना कम्यूनिडेड' की भूमि पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाना था। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 'सनसेट टू नाइट' के आयोजकों ने कार्यक्रम रद्द कर दिया है। 'अंजुना कम्यूनिडेड' के वकील सेबेस्टियन डिसूजा ने आयोजकों को संबोधित पत्र में कहा कि अंजुना गांव की सर्वेक्षण संख्या 206/1 में तीन अप्रैल को संगीत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उन्हें चार मार्च, 2026 को दी गई अनापत्ति प्रमाण पत्र को प्रबंध समिति द्वारा सर्वसम्मति से रद्द कर दिया गया है।

गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित पाटकर ने शनिवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोवा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं जैसे अधिकारियों से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना कथित तौर पर ऑनलाइन टिकट बेचने पर आयोजकों के खिलाफ पार्टी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओसी) में शिकायत दर्ज करेगी।

भारतीय वायुसेना के लिए 10 क्विंटल वजनी हवाई बम के स्वदेशी डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए एमके-84 के समान 1000 किलोग्राम वजनी हवाई बम के स्वदेशी डिजाइन और विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भरता' को बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस परियोजना के दो चरण होंगे। पहले चरण में छह प्रोटोटाइप (सक्रिय और निष्क्रिय) का डिजाइन और विकास शामिल है, जिसमें संबंधित टेल यूनिट और उपकरण भी शामिल हैं। दूसरा चरण खरीद का है, जो योग्य विकास एजेंसियों को प्रस्ताव के लिए वाणिज्यिक अनुरोध (आरएफपी) जारी करने के साथ शुरू होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह प्रणाली भारतीय वायुसेना द्वारा वर्तमान में संचालित रूसी और पश्चिमी मूल के विमानों (दोनों के साथ) सुसंगत होने के लिए बनाई गई है। अधिकारी ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 के प्रावधानों के तहत 1,000 किलोग्राम के हवाई बम (एमके-84 के समान) के डिजाइन, विकास और खरीद के लिए टेल यूनिट और संबंधित उपकरणों के साथ अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की है। यह परियोजना 'मेक-खख' (उद्योग-वित्तपोषित) उप-श्रेणी के तहत कार्यान्वित की जाएगी, जिसके बाद 'बाय (इंडियन-आईडीडीएम)' श्रेणी के तहत खरीद की जाएगी। आईडीडीएम का अर्थ है स्वदेशी रूप से डिजााइन, विकसित और निर्मित। अधिकारियों ने बताया कि डीएपी 2020 के प्रावधानों के अनुसार 'बाय (इंडियन-आईडीडीएम)' श्रेणी के तहत कुल 600 हवाई बम खरीदने की योजना है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में एमके-84 श्रेणी के सामान्य प्रयोजन बम विदेश के मूल उपकरण निर्माताओं से खरीदे जाते हैं और भारतीय वायुसेना में सेवा में हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित हवाई बम को 'प्राकृतिक रूप से विखंडनीय, उच्च क्षमता वाला गोला-बारूद बताया गया है जो दुश्मन के लक्ष्यों के विरुद्ध उच्च विस्फोटक प्रभाव और अधिक दबाव (पीओपी) उत्पन्न करने में सक्षम है। अधिकारी ने बताया कि परियोजना का पहला चरण चयनित विकास एजेंसियों द्वारा किया जाएगा, जिसमें एकल-चरण समग्र परीक्षण शामिल है। विकास चरण में कम से कम 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का होना अनिवार्य है। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के लिए अनुमानित समयसीमा अभिरुचि पत्र के जारी किए जाने से लेकर अनुबंध पर हस्ताक्षर करने तक ढाई वर्ष है।

दक्षिण भारत में लोकसभा सीट की संख्या में कटौती नहीं की जाएगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनसंख्या को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने वाले दक्षिण भारतीय राज्यों में लोकसभा सीट की संख्या कम नहीं की जाएंगी और देश भर के राज्यों को लाभ पहुंचाने के लिए सीट की कुल संख्या बढ़ाई जाएगी।

मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि संसद का सत्र 16 से 18 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है, ताकि लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले कानून में संशोधन पारित किया जा सके।

पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र बृहस्पतिवार को ही संपन्न होना था, लेकिन अब इसे बढ़ा दिया गया है। लोकसभा और राज्यसभा की 16 अप्रैल से तीन दिवसीय बैठक होगी और महिला आरक्षण को लागू करने के लिए लोकसभा में सीट की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने सहित कई विधेयकों पर विचार किया जाएगा। मोदी ने कहा कि इस विस्तार से सुनिश्चित होगा कि जनसंख्या नियंत्रण में मिली सफलता के बावजूद दक्षिण भारतीय राज्यों की सीट संख्या में कोई कमी नहीं होगी।

उन्होंने कहा, ''ये झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि जनसंख्या नियंत्रण के कारण दक्षिण भारतीय राज्यों में सीट की संख्या कम कर दी जाएंगी, लेकिन यह पूरी तरह असत्य है। संसद यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी कि उनकी सीट पूरी तरह सुरक्षित रहें।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा और तेलंगाना जैसे राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है। उनकी जनसंख्या वृद्धि कम रहने पर भी उनकी लोकसभा की कोई सीट कम नहीं की जानी चाहिए।''

मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस ने परिसीमन के मुद्दे को उठाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को निशाना बनाया है और तर्क दिया है कि जनसंख्या को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने वाले दक्षिण भारत के राज्यों को उनकी संसदीय सीटों में कटौती के रूप में ''दंडित'' नहीं किया जाना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने हाल में पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा था कि यह बहुत ''बड़ा मुद्दा'' है और मौजूदा स्थिति के अनुसार केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संसदीय सीट की संख्या में कमी की जा सकती है।

मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 से संसद में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है और उन्होंने सभी दलों से विधेयक का समर्थन करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया है। संसद 16 से 18 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विचार करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए फिर से बैठक करेगी। हमारा लक्ष्य 2029 से संसद में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना है।'' उन्होंने सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नीतियों की सबसे बड़ी लाभार्थी महिलाएं हैं। महिला सशक्तीकरण और प्रतिनिधित्व हमारी प्राथमिकता हैं। हमने महिलाओं के जीवन से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए काम किया है। हमने हर घर में शौचालय बनवाए, जन धन खाते खुलवाए और महिलाओं के नाम पर मकान बनवाए।''

उन्होंने उद्यमिता के मामले में कहा, ''मुद्रा ऋण के जरिये अपना कारोबार शुरू करने वाले लोगों में बड़ी संख्या महिलाओं की है और 'लखपति दीदी' अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है।''

ये चुनाव द्रमुक के विकास और तमिलनाडु के खिलाफ काम करने वाली दिल्ली की 'टीम' के बीच मुकाबला : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवगंगा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को जनता से 'दिल्ली की टीम' को हराने की अपील करते हुए दावा किया कि वे राज्य की जरूरतों और विकास में बाधा उत्पन्न करती है। उन्होंने जिले के सिंगमपुनारी में राज्य के सहकारिता मंत्री और द्रमुक उम्मीदवार के. आर. पेरियाकरुप्पन के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 23 अप्रैल को होने वाला विधानसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे द्रमुक द्वारा किए गए विकास कार्यों और तमिलनाडु के हितों के खिलाफ काम करने वाली 'दिल्ली की टीम' के बीच मुकाबला बताया।

उदयनिधि ने कहा, ''हमें दिल्ली की टीम व संघी समूह को हराना होगा और यह साबित करना होगा कि तमिलनाडु में उनके लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही अधिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए 'द्रविड़ मॉडल 2.0' शासन सुनिश्चित करना होगा।'' उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, परिवार की महिला मुखियाओं के लिए मासिक अनुदान और महाविद्यालयों के छात्रों को मुफ्त लैपटॉप जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उदयनिधि ने मतदाताओं से कहा, ''जिस तरह आपने पेरियाकरुप्पन को लगातार चार बार जिताया है, उसी तरह इस बार भी उनकी शानदार जीत सुनिश्चित करें।'' शिवगंगा जिले के द्रमुक सचिव पेरियाकरुप्पन तिरुपत्तूर विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे हैं।

एफसीआरए विधेयक 'दमनकारी', विदेश नीति विफल, मछुआरे श्रीलंका के हमलों का सामना कर रहे : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागरकोइल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को केंद्र द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को दमनकारी करार दिया और आरोप लगाया कि इसके जरिये अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाई सेवा संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। विधानसभा चुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए एम के स्टालिन ने मछुआरों के लिए सहायता राशि बढ़ाने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पहले मछली पकड़ने पर प्रतिबंध अवधि के दौरान विशेष राहत राशि पांच हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये की थी, जिसे अब बढ़ाकर बारह हजार रुपये प्रति माह किया जाएगा। इसी तरह, मछली पकड़ने के काम में मंदी आने के दौरान सहायता राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर नौ हजार रुपये प्रति माह की जाएगी। स्टालिन ने रैली में लोगों से पूछा, क्या आप सभी खुश हैं? अन्य कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने नए आश्वासन भी दिए। उन्होंने कहा कि मछुआरा कल्याण बोर्ड की सदस्यता के लिए अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष की जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 70 से 75 वर्ष आयु वर्ग के सदस्यों को मौजूदा कल्याणकारी उपायों के अतिरिक्त मासिक पेंशन प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ शैली की सरकार मछुआरों की सच्ची मित्र और करीबी सहयोगी रही है। स्टालिन ने आरोप लगाया, हालांकि, विदेश नीति की बागडोर अपने हाथों में रखने वाली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमारे मछुआरों की रक्षा करने में विफल रही है। वह विदेश नीति में भी नाकाम रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि भारत का अपने छोटे पड़ोसी देशों पर भी कोई प्रभाव नहीं रह गया है।

उन्होंने दावा किया कि यह खेदजनक है कि भाजपा सरकार तमिलनाडु के मछुआरों को भारतीय मछुआरे नहीं मानती और इसका परिणाम श्रीलंका की नौसेना द्वारा हमारे मछुआरों पर लगातार किए गए हमले हैं। जब केंद्र में कांग्रेस सरकार के दौरान मछुआरों पर हमले हुए थे, तब मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कमजोर बताया था और कहा था कि अगर कोई मजबूत प्रधानमंत्री सत्ता में होता तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, क्या यह अब हो रहा है या नहीं? यह वास्तव में हो रहा है। अब, क्या मोदी यह स्वीकार करेंगे कि वह एक कमजोर प्रधानमंत्री हैं? या वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे? यह एकमात्र प्रश्न नहीं है और कई अन्य प्रश्न भी हैं, जिनमें मदुरै एम्स परियोजना भी शामिल है, जो लगभग एक दशक से 'अधूरी' पड़ी है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि विदेशी अंशदान से जुड़े एफसीआरए संशोधन विधेयक दमनकारी है और यह अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाई संगठनों को निशाना बनाता है।

पूरे देश में ईसाई इस प्रस्तावित संशोधन से आक्रोशित हैं, जिसके पारित होने पर लाभार्थी-प्राप्तकर्ता-संस्था की मान्यता रद्द हो जाएगी और प्रमाण प्रस्तुत करने में देरी जैसी छोटी-मोटी गलतियों के लिए भी धनराशि वापस ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि अस्पतालों, स्कूलों और छात्रावासों को भी सरकार द्वारा अपने नियंत्रण में लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि घरेलू और विदेशी स्रोतों से प्राप्त धन से निर्मित संस्थानों को भी अपने नियंत्रण में लिया जा सकता है।

प्रधानमंत्री से मिलने के लिए केरल में चुनाव प्रचार से लौटे

मैं चुनावी दौड़ में नहीं : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शनिवार को मुलाकात करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता के. अन्नामलाई केरल में अपने चुनाव प्रचार को बीच में छोड़कर राज्य लौटे। उन्होंने कहा कि वह चुनावी दौड़ में नहीं हैं। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व प्रमुख ने कहा कि 23 अप्रैल के चुनाव के लिए पार्टी ने आलाकमान को अनुमोदन के लिए संभावित उम्मीदवारों की जो सूची भेजी थी उसमें उनका नाम नहीं था क्योंकि उन्होंने इस बार चुनाव प्रचार करने का विकल्प चुना।

उन्होंने कहा कि अगर वह चुनाव लड़ना चाहते तो वह तमिलनाडु के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते थे, लेकिन फिलहाल उनका ध्यान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने पर है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कन्नूर से हवाई अड्डे पर पहुंचने पर पत्रकारों से कहा, मैं इस दौड़ में या उम्मीदवारों की सूची में नहीं हूं।

इस चुनाव में मेरी भूमिका तमिलनाडु भर में उम्मीदवारों के लिए प्रचार करना है। फिलहाल, पार्टी ने मुझे सात अप्रैल तक पुडुचेरी और केरल में और उसके बाद 23 अप्रैल तक तमिलनाडु में प्रचार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी ने मुझे यह जिम्मेदारी दी है। मैं इसे पूरा करूंगा।

भाजपा के एक सूत्र ने बताया कि उन्हें पूर्व अध्यक्ष के रूप में आज राज्य कोर कमेटी के वरिष्ठ भाजपा नेताओं की बंद कमरे में होने वाली ''बैठक'' में शामिल होने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री के साथ होने वाली इस बैठक में आगामी चुनाव पर चर्चा होगी, जिसमें राज्य कोर कमेटी में लगभग दस वरिष्ठ नेता शामिल हैं। अन्नामलाई ने बताया कि उन्होंने एक सप्ताह पहले ही भाजपा की तमिलनाडु इकाई के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को चुनाव न लड़ने के अपने फैसले से अवगत करा दिया था।

उन्होंने राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को भी इसकी जानकारी दे दी थी।

मोदी के साथ मुलाकात के बारे में उन्होंने कहा, ''चुनाव के दौरान यह एक सामान्य चर्चा होगी। मैं इसे प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करने के अवसर के रूप में देखता हूं।''

विजयन अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए मोदी से 'डरते' हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ''डरते'' हैं। गांधी ने फोर्ट कोच्चि में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के साथ ''समझौता'' किया है। उन्होंने साथ ही किसी का नाम लिए बिना विजयन की बेटी से कथित तौर पर 'जुड़े एक्सालॉजिक' मामले का जिक्र किया।

इस मामले में कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच अवैध वित्तीय लेनदेन के आरोप शामिल हैं, जो विजयन की बेटी वीणा के स्वामित्व वाली कंपनी थी और यह अब बंद हो चुकी है। गांधी ने कहा, कौन सा पिता अपने बच्चों की रक्षा करने की कोशिश नहीं करेगा? लेकिन समस्या यह है कि आपने ऐसे कृत्यों की अनुमति दी है जिनके लिए अब सुरक्षा की आवश्यकता है। आपने ऐसे काम किए हैं जिनके लिए सुरक्षा की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है कि वाम मोर्चे का नेता किसकी सुरक्षा चाहता है। गांधी ने आरोप लगाया, ''वह देश की सबसे दक्षिणपंथी ताकतों से संरक्षण मांग रहे हैं। केरल की राजनीति का यही स्वरूप है।'' उन्होंने दावा किया, ''मुख्यमंत्री अपने बच्चों को बचाने के लिए शासन व्यवस्था की बलि दे रहे हैं। उनके पिछले कार्यों ने उन्हें फंसा दिया है, जिसका खामियाजा केरल की जनता भुगत रही है।''

गांधी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) अब वामपंथी संगठन नहीं रहा बल्कि देश की सबसे बदतर 'राजनीतिक ताकत' के साथ सांठगांठ कर चुका है, जो लोगों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाती है - चाहे वे ईसाई हों, मुस्लिम हों, सिख हों या जैन हों। उन्होंने इसे भारत के संविधान पर ''प्रत्यक्ष हमला'' बताया।

गांधी ने कहा, ''मुख्यमंत्री उनके साथ कैसे खड़े हो सकते हैं? वामपंथी शिक्षा के बाद भी उन्हें शर्म क्यों नहीं आती? वे इस ताकत के साथ जुड़े हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि विजयन को केरल की जनता को जवाब देना होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला जारी रखते हुए आरोप लगाया कि वह अदाणी समूह और एप्स्टीन फाइलों से संबंधित मुद्दों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि शबरिमला मंदिर से सोने की चोरी की घटना पर मोदी की चुप्पी राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की मदद करने की ''कोशिश'' का संकेत देती है, जिसके नेताओं को इस मामले के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। गांधी ने कहा कि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सत्ता में आने पर अपनी पांचों गारंटी' लागू करेगा।

द्रमुक के 'इल्लाथारसी' कूपन महिलाओं को सशक्त बनाएंगे : मंत्री गीता जीवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की मंत्री पी. गीता जीवन ने शनिवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रविड) की 'इल्लाथारसी' योजना का विस्तृत विवरण दिया, जो आगामी चुनाव के लिए एक प्रमुख वादा है। इस योजना के तहत गृहिणियों को घरेलू उपकरणों के लिए आठ हजार रुपये के कूपन दिए जाएंगे। इसे ''स्मार्ट आर्थिक गुणक'' बताते हुए जीवन ने कहा कि इस पहल से लगभग दो करोड़ परिवार सरकारी ब्रांड के बजाय वाशिंग मशीन, टीवी या रेफ्रिजरेटर जैसे अपने मनपसंद उपकरण चुन सकेंगे।

उन्होंने कहा, इस योजना के तहत पुराने घरेलू उपकरणों का आदान-प्रदान भी संभव है, जिसका उद्देश्य स्थानीय खुदरा बाजारों और पुनर्चक्रण व्यवसायों को पुनर्जीवित करना है। मंत्री ने कहा, यह विकल्प-आधारित शासन के बारे में है। उन्होंने बताया कि बड़ी कंपनियों से स्थानीय छोटे विक्रेताओं को खरीद सौंपने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं एवं क्रय शक्ति को बढ़ावा मिलेगा।

सामाजिक कल्याण और महिला सशक्तीकरण मंत्री जीवन ने कहा कि कूपन महिलाओं के घरेलू कामों का बोझ कम करेंगे, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। 'मगलीर उरिमाई थोगई' योजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द्रमुक लैंगिक समानता के द्रविड़ आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 'इल्लाथारसी' योजना 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में निर्णायक साबित होगी और द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जनादेश दिलाएगी।

एफसीआरए विधेयक ईसाइयों को निशाना बनाने के लिए : विल्सन

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के राज्यसभा सदस्य पी विल्सन ने शनिवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ईसाइयों की संपत्तियों को निशाना बनाने के लिए एफसीआरए विधेयक लाई है और अल्पसंख्यकों को उनकी संपत्तियों से वंचित करने में कोई राष्ट्रीय हित नहीं हो सकता है। पेशे से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दावा किया कि केंद्र सरकार का विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक पेश करने का इरादा ईस्टर के दौरान ईसाइयों को निशाना बनाना और उनमें आशंका पैदा करना था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए एफसीआरए विधेयक, 2026 की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इसका एकमात्र उद्देश्य ईसाई मिशनरियों, गैर सरकारी संगठनों और चर्च को निशाना बनाना है। विल्सन ने संवाददाताओं से कहा, ''पूर्वव्यापी प्रभाव से संपत्तियों से वंचित करने का प्रावधान कठोर है, यह घर में बंदूक का भय दिखाकर लूटपाट करने के समान है।''

जितेंद्र सिंह ने खाद्य स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए मैसूर में 'इन्क्यूबेशन सेंटर' का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को मैसूर स्थित केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) में बिराक-बायोनेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवाचार और उपभोक्ता मांग के बीच बेहतर तालमेल होना आवश्यक है।

एक बयान के अनुसार, इस नई सुविधा का उद्देश्य खाद्य स्टार्टअप को बढ़ावा देना, उन्नत अनुसंधान में सहायता करना और खाद्य जैव प्रसंस्करण तथा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नियामक सुविधा का विस्तार करना है। इससे वैज्ञानिक विचारों को बाजार के लिए तैयार समाधानों में बदलने में मदद मिलेगी। सिंह ने कहा, ''हालांकि उद्यम शुरू करना अब आसान हो गया है, लेकिन इसे बनाए रखने के लिए निरंतर मूल्यवर्धन, बाजार पहुंच और मजबूत उद्योग संपर्क की आवश्यकता होती है।''

मंत्री ने आगे कहा कि अनुसंधान संस्थानों और निजी क्षेत्र के बीच गहरे जुड़ाव की जरूरत है। साथ ही, नवाचार को उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप होना चाहिए, जिसमें खाने के लिए तैयार और सुविधाजनक खाद्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने अनुसंधान, विकास और नवाचार को गति देने के लिए नए वित्त पोषण तंत्र और संस्थागत सहायता के बारे में भी बताया।

एआईएनआरसी-भाजपा का गठबंधन थका हुआ, द्रमुक-कांग्रेस गठजोड़ भ्रमित : विजय ने पुडुचेरी में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों गुटों पर स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए टीवीके प्रमुख विजय ने शनिवार को अपनी पार्टी को एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में पेश किया और पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल करने के लिए पूरा प्रयास करने तथा मुफ्त बिजली सहित कई कल्याणकारी उपायों का वादा किया।

टीवीके प्रमुख विजय ने पुडुचेरी में ऑल इंडिया एआईएनआरसी-भाजपा के गठबंधन को थका हुआ ''गठबंधन'' करार देते हुए कहा कि इस गठबंधन में कोई जान नहीं रह गई है। उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)-कांग्रेस के गठबंधन को ''भ्रमित गठबंधन'' बताया। विजय ने कहा, ''तमिलनाडु में भी द्रमुक-कांग्रेस का गठबंधन भ्रमित है। पुडुचेरी में भी ऐसा ही है। एक और गठबंधन है, एनआर कांग्रेस (एएनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गठबंधन। यह एक थका हुआ गठबंधन है।''

केंद्र शासित प्रदेश में नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट मांगते हुए उन्होंने कहा, ''मैंने ऐसे उम्मीदवारों का चयन किया है, जो जमीनी स्तर पर जनता के साथ खड़े हैं। मैंने उन्हें आपके हाथ में सौंप दिया है। हम अपनी जनता के साथ खड़े हैं। हमारे लोग आपके साथ खड़े हैं।''

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से घंटों पहले ही पुडुचेरी का माहौल बेहद जोशीला था। हजारों समर्थक और प्रशंसक पुडुचेरी की मुख्य सड़कों पर जमा हो गए थे, पार्टी के झंडे लहरा रहे थे और ''थलपति'' के नारे लगा रहे थे। विजय को लोग प्यार से ''थलपति'' कहकर संबोधित करते हैं। रैली स्थल की ओर जाने वाली सड़क पीले और गहरे लाल रंगों से पटी थी और सड़कों के दोनों ओर नेता के विशाल-बड़े बड़े कटआउट लगे थे। भीषण गर्मी के बावजूद भीड़ का उत्साह बरकरार रहा और जिसके कारण प्रमुख चौराहों पर यातायात ठप हो गया।

सड़क हादसों में पुलिस उपनिरीक्षक सहित चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दो अलग-अलग सड़क हादसों में पुलिस के एक उपनिरीक्षक (एसआई) समेत चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, भरतपुर जिले में तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। यह हादसा शुक्रवार रात गोपालगढ़ के पास हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल पर भाई-बहन और नाबालिग लड़का सवार थे।

चश्मदीदों ने बताया कि वाहन ने मोटरसाइकिल को कुछ मीटर तक घसीटा और हादसे के बाद चालक कार को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। मृतकों की पहचान नजाकत अली (28), उनकी बहन मुस्सी (38) और उनके बेटे मोनीस (15) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि तीनों अंधवारी गांव के पास रुके थे और मोटरसाइकिल से उतरने ही वाले थे कि कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। मुस्सी और मोनीस की मौके पर ही मौत हो गई जबकि नजाकत ने अलवर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एक अन्य हादसे में करौली जिले के सपोटरा पुलिस थाने में तैनात उपनिरीक्षक हनुमान मीणा (55) की मौत हो गई। यह हादसा शनिवार सुबह जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेसवे पर आंधी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नांगल बेला गांव के पास हुआ जब कार एक ट्रक में पीछे से जा टकराई।

इसमें दो कांस्टेबल और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए और उन्हें दौसा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी गोपाल सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार संभवत: कार चालक को झपकी आने से यह हादसा हुआ। हालांकि ट्रक द्वारा अचानक ब्रेक लगाना भी हादसे की वजह हो सकता है।

किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाकर वृक्षारोपण को दें मजबूती : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान को 'हरियालो राजस्थान' बनाना राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसी दिशा में मिशन हरियालो राजस्थान के तहत आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना बनाकर इस कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग के पौधारोपण लक्ष्य, चंदन वन, नमो वन एवं नमो नर्सरी स्थापना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ पौधारोपण लक्ष्य की प्राप्ति में वन एवं पर्यावरण विभाग सहित अन्य विभागों की सहभागिता एवं सक्रियता बेहद जरूरी है। इसी क्रम में मुख्य सचिव पौधारोपण कार्य की मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) से पौधारोपण के कार्य को प्रारंभ कर मानसून सीजन जुलाई, अगस्त व सितम्बर माह में गति प्रदान की जाएगी। इसी क्रम में सभी विभाग पौधारोपण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्थानों का चयन, फेन्सिंग, खड्डे सहित महत्वपूर्ण कार्य तय समय से पहले पूरे कर लें। वहीं, विशेष रूप से वन विभाग इस कार्य में सभी विभागों से समन्वय बनाए रखे। शर्मा ने कहा कि पौधारोपण के लिए स्थान चयन में राजस्व विभाग का भी सहयोग लिया जाए। वहीं, भारतीय रेलवे के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी परिसंपत्तियों में पौधारोपण की कार्ययोजना भी बनाई जाए। इसी प्रकार, प्रत्येक जिले में सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख सड़कों के किनारे एवं चारागाह में वृक्षारोपण के लिए कार्ययोजना पर काम करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिट्टी की उत्पादकता का ध्यान रखकर पौधारोपण किया जाए। उन्होंने मिशन हरियालो राजस्थान में वन विभाग को बड़ी संख्या में गूलर के वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार सीएसआर के जरिए वनरक्षक कार्यालयों को पौधों में पानी देने के लिए टैंकर जैसे संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही, इस कार्य में वृक्षमित्रों का भी पूरा सहयोग लिया जाए। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत किसानों को निःशुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री उदयपुर, सिरोही एवं बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए चिन्हित स्थानों का निरीक्षण कर तारबंदी, ड्रिप सिंचाई जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने वन विभाग को पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग सहित अभयारण्य क्षेत्रों में भी वृक्षारोपण के कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक नमो नर्सरी स्थापना के कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। इसी प्रकार प्रत्येक पंचायत समिति पर चरणबद्ध रूप से नमो वन विकसित करने के लिए कार्ययोजना बनाकर काम को गति प्रदान करें।

बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार सहित वन एवं पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक से जुड़े।

'एग्रीटेक मीट' के लिए दिल्ली सहित कई शहरों में रोडशो करेगी राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा 23 से 25 मई को आयोजित होने जा रही ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)2026 के प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए जाएंगे। ये रोडशो 10 अप्रैल को जयपुर, 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद, 6 मई को हैदराबाद तथा 8 मई को पुणे में आयोजित होंगे।

इन रोडशो के माध्यम से निवेशकों, एग्रीटेक कंपनियों, शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को ग्राम2026 में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही उन्हें राजस्थान के कृषि क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं और राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की जानकारी दी जाएगी।

रोडशो का उद्देश्य राजस्थान को कृषि निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों और आईटी आधारित समाधानों को बढ़ावा देना है। इन आयोजनों के दौरान संभावित निवेशकों, एग्रीटेक डेवलपर्स, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए राज्य में कृषि आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से जुड़े अवसरों पर चर्चा की जाएगी।

'ग्राम' के संबंध में जानकारी देते हुए प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमति मंजू राजपाल ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट2026 मई माह में आयोजित की जाएगी। इसके लिए आयोजित किए जा रहे रोडशो राज्य के कृषि क्षेत्र को वैश्विक निवेश और उन्नत तकनीकों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इन रोडशो के माध्यम से देश-विदेश के निवेशकों, एग्रीटेक कंपनियों और विशेषज्ञों को राजस्थान की कृषि क्षमता और उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया जा रहा है।

रोडशो के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम2026 के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, स्मार्ट फार्म एवं पशु प्रदर्शनी, बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) बैठकें तथा निवेश संवाद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम से जुड़ेंगे खनिज परिवहन वाहन : अपर्णा अरोरा

जयपुर। राज्य में खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधीकृत तुलाई कांटों का 8 अप्रेल से लाइव परीक्षण आरंभ किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव, माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि माइनिंग सेक्टर में राज्य के खानधारकों और राज्य सरकार दोनों के व्यापक हितों को देखते हुए रेडियो फ्रीक्रेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (आरएफआईडी) चालू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में वे-ब्रिज ऑटोमाइजेशन और जीपीएस आरएफआईडी आधारित व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम वीटीएस के माड्यूल्स तैयार कर चरणवद्ध तरीके से तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन का काम शुरु किया गया है। साथ ह्वही विभाग के संबंधित फील्ड अधिकारियों को अवकाश के दिनों में भी ऑटोमाइजेशन का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, माइंस एवं पेट्रोलियम ने बताया कि राज्य सरकार के उन्नति कार्यक्रम में आरएफआईडी के कार्य को शामिल किया गया है और यह कार्य अनवरत होने के बावजूद अगस्त तक तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन कार्य का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए तय समय सीमा में कार्य कराने और प्रभावी मोनेटरिंग के लिए फील्ड स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसीएस, श्रीमती अरोरा ने बताया कि आरएफआईडी के तहत होने वाले इस कार्य के क्रियान्वयन की टाइमलाइन तय कर दी गई है। 8 अप्रैल को वीटीएस और जीपीएस सिस्टम का ट्रायल रन किया जाएगा। 8 अप्रेल को ही विभागीय अधिकारी खनिज अभियंता और सहायक खनिज अभियंताओं का ओरियंटेशन कार्यक्रम भी होगा। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन और खनिज परिवहन वाहनों में वीटीएस सिस्टम प्रभावी तरीके से प्रयोग में आने से माइनिंग सेक्टर में पारदर्शिता और व्यवस्था का सरलीकरण हो सकेगा।

युवक ने पत्नी की हत्या कर आत्महत्या का प्रयास किया

जयपुर। चाकसू थाना क्षेत्र में युवक ने पत्नी की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। चाकसू के थानाधिकारी मनोहरलाल ने बताया कि यह घटना स्वामी का बास गांव में शुक्रवार देर रात हुई। उन्होंने कहा कि युवक रामवतार व उसकी पत्नी सुनीता में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया और इसके बाद युवक (रामावतार) ने पत्नी की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी। बाद में उसने अपने गले पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि सुबह लगभग छह बजे घरवाले जगे तो उन्हें घटना का पता चला और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

आदर्श क्रेडिट घोटाले के पीड़ितों के साथ 'दोहरा खेल' खेल रही भाजपा सरकार : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी घोटाले के पीड़ितों के साथ दोहरा खेल खेल रही है। उन्होंने राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता की भूमिका पर भी सवाल उठाए। जूली ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा से जुड़े कथित हितों के टकराव (कॉनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि शर्मा और अन्य की लॉ फर्म एक ओर इस मामले में उच्चतम न्यायालय में राज्य सरकार का पक्ष रख रही है, वहीं दूसरी ओर उसी से जुड़े एक अन्य मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में सह-आरोपी सिद्धार्थ चौहान का भी प्रतिनिधित्व कर रही है।

जूली ने कहा, यह निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है और उन निवेशकों को गुमराह करने जैसा है, जिन्होंने पहले ही अपनी जमा पूंजी खो दी है। उन्होंने भारतीय विधिज्ञ परिषद के उन नियमों का हवाला दिया, जो वकीलों को परस्पर विरोधी हितों वाले पक्षों का प्रतिनिधित्व करने से रोकते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए सवाल किया कि क्या राज्य सरकार इस कथित हितों के टकराव से अवगत है। कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसे वकील की नियुक्ति पीड़ितों के साथ विश्वासघात के समान है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या पेशेवर दुराचार के लिए संबंधित वकील के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी? जूली के अनुसार, वर्ष 1999 में मुकेश मोदी और उनके परिवार द्वारा स्थापित इस सहकारी संस्था ने 2010 से 2014 के बीच कथित तौर पर करीब 22 लाख लोगों से लगभग 15,000 करोड़ रुपये की ठगी की।

जांच में सामने आया है कि इस धनराशि को करीब 125 शेल कंपनियों के माध्यम से घुमाकर प्रमोटरों और उनके सहयोगियों को लाभ पहुंचाया गया।

राजस्थान में कई स्थानों पर बारिश और ओलावृष्टि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीते चौबीस घंटे में कई जगह बारिश और ओलावृष्टि हुई। मौसम विभाग के अनुसार बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी विक्षोभ के असर से पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर जबकि पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर आंधी चली, बिजली गिरी तथा तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक बारिश पश्चिमी राजस्थान के करणपुर में 11.5 मिलीमीटर तथा पूर्वी राजस्थान में उदयपुर के कोटड़ा में 32 मिलीमीटर हुई।

विभाग के अनुसार, शनिवार को राज्य के ऊपर परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके असर से आज भी जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर में कुछेक स्थानों पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने, बारिश व ओलावृष्टि होने की संभावना है। बीकानेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है।

वहीं छह अप्रैल को दोपहर बाद जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में तेज आंधी-बारिश की संभावना है। सात अप्रैल को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में आंधी चलने तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि, मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। इसी तरह आठ अप्रैल को उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे खेत में पककर तैयार फसलों, कृषि मंडियों व धान मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज व जिंसो को ढककर रखें या सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें ताकि उन्हें भीगने से बचाया जा सके।

बहरोड़ में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

बहरोड़। राजस्थान की राजनीति में बढ़ती सरगर्मियों के बीच बहरोड़ आज कांग्रेस के 'शक्ति प्रदर्शन' का केंद्र बन गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बहरोड़ पहुँचने पर कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव के नेतृत्व में ऐतिहासिक स्वागत किया गया। शहर स्थित हल्दीराम कैफे पर आयोजित इस कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब ने क्षेत्र में कांग्रेस के प्रति बढ़ते सकारात्मक जनाधार और संगठनात्मक मजबूती की एक स्पष्ट झलक पेश की। जैसे ही डोटासरा और जूली का काफिला कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा, कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और गगनभेदी नारों के साथ अपने नेताओं का अभिनंदन किया। व्यवहारात्मक रूप से यह स्वागत केवल एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि आगामी चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं की विकासात्मक तैयारी का प्रतीक नजर आया। इस स्वागत समारोह में प्रदेश और जिला स्तर के कई बड़े चेहरों ने शिरकत की, जिससे गुटबाजी से परे पार्टी की एकजुटता का संदेश गया। संबोधन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कांग्रेस सदैव जनहित के मुद्दों के लिए संघर्षरत रही है। उन्होंने आह्वान किया कि: जमीनी जुड़ाव: कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर जाकर आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएं।

एमएसपी पर गेहूं खरीद प्रारंभ, जोराराम ने खरीद केंद्रों का किया उद्घाटन

पाली/सुमेरपुर/दक्षिण भारत । भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा अजमेर डिविजन के पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तीन सेंटर्स- सांडेराव, तख्तगढ़ व सुमेरपुर में शनिवार से समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीदी शुरू कर दी गई है। इन तीनों सेंटर्स पर गेंहू खरीद का कार्य पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक जोराराम कुमावत ने विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। इनमें से सांडेराव में पहली बार एफसीआई ने गेंहू खरीद केंद्र स्थापित किया है, जबकि तख्तगढ़ में लगातार दूसरे साल गेहूं की खरीद की जाएगी। कैबिनेट मंत्री कुमावत ने बताया कि रामबा फार्म, साण्डेराव में बनाए गए खरीद केंद्र पर गेहूं खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस वर्ष गेहूं पर छ2,735 प्रति क्विंटल का भुगतान मिलेगा। इसमें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) छ2,585 और राज्य सरकार द्वारा दिया जाने वाला छ150 प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस शामिल है। उन्होंने बताया कि तख्तगढ़ की सिंचाई कॉलोनी स्थित केंद्र पर गेहूं खरीद प्रारंभ हुई है। उन्होंने बताया कि पाली जिले के सुमेरपुर, तख्तगढ और सांडेराव केंद्रों पर 5-5 हजार बारदान उपलब्ध कराया गया है। इन सेंटर्स पर 30 जून-2026 तक गेंहू की खरीद की जाएगी। सरकारी केंद्रों पर गेहूं बेचने के लिए किसानों को राज किसान पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। यह पंजीकरण 25 जून 2026 तक खुला रहेगा। गेहूं की तुलाई के बाद किसानों को भुगतान सीधे उनके जन आधार कार्ड से जुड़े बैंक खाते में ऑनलाइन किया जाएगा। किसी भी समस्या या जानकारी के लिए किसान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14435 पर राजकीय कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर मंत्री ने खरीद केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने किसानों से भी चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना और हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

कुमावत ने अपने संबोधन में सांडेराव के खरीद केंद्र को आगामी वर्षों में नियमित रूप से संचालित करने का भरोसा दिया। श्री कुमावत ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्य सरकार द्वारा किसानों व पशुपालकों के लिए चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र की नहरों व बांधों के निर्माण व मरम्मत के लिए स्वीकृत कार्यों के बारे में भी जानकारी दी।

सिवाना के इतिहास को सहेजने की पहल, कुमटाल दुर्ग की तलहटी में बनेगा पैनोरमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिवाना के समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत ने बालोतरा जिले के सिवाना का दौरा कर प्रस्तावित पैनोरमा स्थल का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान श्री ओंकार सिंह लखावत ने कुमटाल दुर्ग की तलहटी में प्रस्तावित पैनोरमा निर्माण की संभावनाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने पर विशेष जोर देते हुए प्रारंभिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर सिवाना के ऐतिहासिक महत्व, पर्यटन की अपार संभावनाओं और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। मंत्री लखावत ने कहा कि पैनोरमा निर्माण से न केवल सिवाना के इतिहास को नई पहचान मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना से जुड़े सभी पहलुओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि सिवाना की ऐतिहासिक विरासत को सहेजने का यह प्रयास जल्द ही धरातल पर नजर आए।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से बीकानेर का नमकीन निर्यात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर अब बीकानेर इलाके के निर्यातकों पर भी पड़ने लगा है। व्यापारियों को इस संघर्ष के कारण खाड़ी और यूरोपीय देशों में भुजिया, पापड़ और मसालों जैसा सामान भेजने में भारी रुकावट आ रही है। बीकानेर अपने नमकीन उत्पादों के लिए विख्यात है और यहां से खाड़ी व यूरोप के देशों में बड़ी मात्रा में नमकीन, मसाले और दूसरे सामान निर्यात होते हैं। हालांकि निर्यातकों ने बताया कि युद्ध की वजह से सामान भेजने में देरी हो रही है। साथ ही माल ढुलाई की लागत बढ़ी है तो कंटेनरों की कमी है। इसका असर निर्यात व आयात दोनों पर दिखने लगा है।

भीखाराम ग्रुप से जुड़े नमकीन कारोबारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कच्चे माल और ढुलाई आदि की बढ़ती लागत से उद्योग को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा, युद्ध की वजह से माल भाड़े में भारी बढ़ोतरी हुई है और कच्चे माल की कीमतें भी बढ़ रही हैं।' उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में खाद्य तेल की कीमत में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है।

निर्यातकों के अनुसार कंटेनरों का आवागम काफी धीमा हुआ है। जो खेप पहले लगभग 30 दिन में पहुंच जाती थी उसमें अब 60 दिन तक का समय लग रहा है क्योंकि युद्ध के चलते उसे लंबे और सुरक्षित रास्तों से भेजा जा रहा है। एक निर्यातक राजेश जिंदल ने कहा कि आने वाले और जाने वाले... दोनों तरह के माल की खेप में देरी हो रही है। इससे व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आने वाला और जाने वाला, दोनों तरह का माल देर से पहुंच रहा है और लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। अरब देशों में बीकानेरी नमकीन (स्नैक्स) और मसालों की मांग अब भी काफी ज़्यादा है, लेकिन आपूर्ति ढांचे में आई रुकावटों की वजह से नुकसान हो रहा है।

व्यापारियों ने बताया कि निर्यात के साथ साथ पाम ऑयल और सोयाबीन जैसे जरूरी कच्चे माल के आयात पर भी असर पड़ा है। पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों से पैकेजिंग की लागत को 30-40 प्रतिशत तक बढ़ी है जिससे जिससे निर्माताओं के लिए लागत अधिक आ रही है। निर्यातकों ने कहा कि यह समय नमकीन के व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि निर्यात के 'व्यस्ततम समय' के लिए तैयारियां आमतौर पर इसी समय शुरू हो जाती हैं। उत्पादों की आपूर्ति के समय को लेकर बनी अनिश्चितता और बढ़े माल भाड़े की वजह से व्यापारी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर हैं। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार बीकानेर से हर महीने भुजिया, पापड़ और नमकीन के 15 से 20 कंटेनर निर्यात किए जाते हैं। दूसरे सामान के लगभग 60 कंटेनर भी बाहर भेजे जाते हैं। फिलहाल इस व्यापार का एक बड़ा हिस्सा रुक गया है। बताया जा रहा है कि करोड़ों रुपये की खेप बंदरगाहों पर या रास्ते में अटकी हुई हैं।

अब छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में भारी कमी आई : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले ''शिक्षा सरकार के एजेंडे में नहीं थी'' लेकिन अब छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई है।

आदित्यनाथ ने पूर्व की सरकारों पर ''धोखाधड़ी को बढ़ावा देने'' का आरोप लगाते हुए कहा, ''2017 से पहले स्थिति क्या थी? शिक्षा न तो सरकार के एजेंडे में थी, न ही कोई चिंता थी – चाहे वह गरीब बच्चों के लिए हो या सामान्य वर्ग के किसी भी बच्चे के लिए क्योंकि उनके अपने लोग नकल की सुविधा दे रहे थे।'' मुख्यमंत्री ने शनिवार को वाराणसी में 'स्कूल चलो अभियान' के उद्घाटन के मौके पर कहा कि सामाजिक न्याय को वास्तविक अर्थों में जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सभी को शिक्षित होने की जरूरत है। आदित्यनाथ ने 2017 से पहले कक्षा तीन, चार, पांच और छह के बाद बच्चों के स्कूल छोड़ने के कारणों को गिनाते हुए कहा, ''जब भी मैं किसी भी सड़क से गुजरता था, मैं पूरे दिन बच्चों को घूमते हुए देखता था। कुछ तालाबों में खेल रहे होते थे, अन्य भैंसों के साथ खेलते दिखते थे, कुछ विभिन्न मोहल्लों में कीचड़ या धूल में खेल रहे होते थे।'' उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछा जाता था कि आप इधर-उधर क्यों घूम रहे हैं? आप स्कूल क्यों नहीं जा रहे हैं? तो वे यही जवाब देते कि स्कूल बहुत दूर है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने पूरे राज्य से आंकड़े एकत्र किए। इसका विश्लेषण करने पर हमने पाया कि बच्चों के स्कूल नहीं जाने का कारण शौचालयों का अभाव था, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय की सुविधा नहीं थी, न ही पीने के पानी की कोई व्यवस्था थी।''

उत्तर प्रदेश के किसान को 14.66 करोड़ रुपए से अधिक का कर नोटिस मिला

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदायूं जिले में 12 बीघे जमीन का मालिक एक किसान उस समय हैरान रह गया, जब उसे आयकर और जीएसटी (माल एवं सेवाकर) विभाग से कुल 14.66 करोड़ रुपए से अधिक का कर नोटिस मिला। बदायूं के जिलाधिकारी अवनीश राय ने शनिवार को कहा, ''किसान द्वारा औपचारिक आवेदन दिए जाने के बाद मामले की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त) और उपायुक्त (जीएसटी) सहित दो सदस्यीय टीम का गठन किया गया।''

किसान भोला सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''विभागीय अधिकारियों से इस मामले की पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि दिल्ली के नारायणा औद्योगिक क्षेत्र (चरण-1) में उनके नाम से ''राम स्टोर'' नामक एक फर्म संचालित की जा रही है, जिस पर 1.02 करोड़ रुपए का आयकर बकाया है।'' उन्होंने बताया कि इस बीच जीएसटी कार्यालय ने सिंह को 13.63 करोड़ रुपए की वस्तु एवं सेवा कर देनदारी का हवाला देते हुए एक नोटिस भी जारी किया है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के खुर्रमपुर भमौरी निवासी सिंह ने बताया कि 29 मार्च को उन्हें बदायूं स्थित आयकर विभाग से एक नोटिस मिला, जिसमें उन्हें 1.02 करोड़ रुपए जमा करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि वे कभी दिल्ली नहीं गए और न ही उन्होंने कभी कोई फर्म या व्यावसायिक उद्यम स्थापित किया था।

न्याय वितरण प्रणाली को समाज की बदलती जरूरतों के साथ लगातार विकसित होना चाहिए : न्यायमूर्ति नाथ

अहमदाबाद/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को कहा कि न्याय वितरण प्रणाली को समाज की बदलती जरूरतों और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप निरंतर विकसित होना चाहिए। उन्होंने इस प्रक्रिया को मजबूत करने में डिजिटल उपकरणों की भूमिका पर जोर दिया। वह गुजरात की जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे जिसका विषय था 'न्याय वितरण को नया रूप देना – आख्यानों से परे'। उन्होंने कहा, ''न्याय वितरण प्रणाली को समाज की बदलती जरूरतों, तकनीकी प्रगति और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप निरंतर विकसित होना चाहिए। हमारे जैसे संवैधानिक लोकतंत्र में न्यायपालिका की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।''

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि न्यायपालिका केवल निर्णय देने वाली संस्था नहीं है, बल्कि एक ऐसी संस्था है जो अधिकारों की रक्षा करती है, कानून के शासन को कायम रखती है और शासन में जनता के विश्वास को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''इस संस्था की वैधता न केवल इसके निर्णयों की सटीकता पर निर्भर करती है, बल्कि इसकी सुलभता, दक्षता और जवाबदेही बनाए रखने की क्षमता पर भी निर्भर करती है। न्याय व्यवस्था को नया रूप देना हमारे मूलभूत सिद्धांतों से विमुख होना नहीं है, बल्कि समकालीन वास्तविकताओं के अनुरूप ढालकर उन्हें और मजबूत करना है।''

पश्चिम बंगाल चुनाव में वामदलों के 'बेहतर प्रदर्शन' की संभावना : दीपांकर भट्टाचार्य

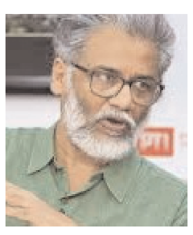

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वामदलों के 'बेहतर प्रदर्शन' की संभावना है, हालांकि वह नतीजों को लेकर कोई अटकल नहीं लगाएंगे। भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों का मत प्रतिशत बढ़ेगा। उन्होंने कांग्रेस के अलग से लड़ने के फैसले से जुड़ी चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ''हम बंगाल में वामदलों के बेहतर प्रदर्शन की संभावनाएं देख रहे हैं। मैं सीटों की संख्या के बारे में कोई अटकलें नहीं लगाने जा रहा हूं। लेकिन वाम दलों का मत प्रतिशत 10 से नीचे आ गया है। अगर आपको बंगाल में भाजपा की वृद्धि को रोकना है, तो वामपंथियों को उबरना होगा।''

भाकपा (माले) लिबरेशन वाम मोर्चा के समर्थन से पश्चिम बंगाल में 10 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। वाम मोर्चे के साथ समझौते के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि माकपा के साथ वैचारिक मतभेद बने हुए हैं, लेकिन सहयोग आवश्यक हो गया है। उनका कहना था, माकपा के साथ हमारे बहुत मतभेद हैं, इसलिए हम वाम मोर्चे का हिस्सा नहीं हैं। हम एक स्वतंत्र कम्युनिस्ट पार्टी हैं। लेकिन हम पश्चिम बंगाल में कुछ हद तक वामदलों के उभार के उद्देश्य के लिए उनके साथ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने दोनों पार्टियों के बीच ऐतिहासिक रूप से खराब रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें सुधार हो रहा है। भट्टाचार्य ने कहा, इससे पहले एक उपचुनाव हुआ था, जहां पहली बार माकपा ने हमें समर्थन दिया था। इस बार, यह थोड़ा बड़े पैमाने पर होगा। उन्होंने कहा, आशा करनी चाहिए कि जैसे हम कई मुद्दों पर संघर्ष के अन्य रूपों में सहयोग करते हैं, वैसे ही हम चुनावी क्षेत्र में भी सहयोग कर सकते हैं।

भाजपा अगर बंगाल की सत्ता में आई, तो 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' को रोकेगी : भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इस महीने होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों को पहचान, जनसांख्यिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर लड़ी जाने वाली एक व्यापक वैचारिक लड़ाई करार दिया है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा राज्य की सत्ता में आती है, तो वह 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ कार्रवाई करेगी, भले ही ऐसा करने पर उसे सांप्रदायिक करार दिया जाए।

भट्टाचार्य ने एक साक्षात्कार में कहा कि इस महीने होने वाला चुनाव केवल भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि ''बंगाली हिंदुओं के अस्तित्व'' और साथ ही ''राष्ट्रवादी, तार्किक विचारों वाले मुसलमानों'' के लिए एक निर्णायक सभ्यतागत लड़ाई है। भाजपा नेता ने अपनी पार्टी की राजनीतिक रणनीति को बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रमों, पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों की ''बदलती जनसांख्यिकी'', मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)प्रक्रिया और तृणमूल कांग्रेस की ''अल्पसंख्यक तुष्टीकरण'' की नीति से जोड़ा। भट्टाचार्य ने कहा, ''मैंने कहा है कि यह चुनाव (अगर तृणमूल कांग्रेस राज्य में सत्ता में वापस आती है) न केवल बंगाली हिंदुओं के लिए बल्कि राष्ट्रवादी, तार्किक विचारों वाले मुसलमानों के लिए भी आखिरी चुनाव है।''

मणिपुर में चिकित्सा कर्मियों के लिए व्यापक तबादला नीति जल्द लागू होगी : वाई खेमचंद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि यहां से करीब 217 किलोमीटर दूर स्थित जिरी जिला अस्पताल में कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही चिकित्सा कर्मियों के लिए एक व्यापक तबादला नीति तैयार की जाएगी।

सिंह ने यह आश्वासन जिरीबाम जिले के निंगशिंगखुल स्थित अस्पताल के निरीक्षण के दौरान दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के कामकाज, बुनियादी ढांचे और लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की तैयारियों का आकलन किया।

सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि चिकित्सा देखभाल तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में जिरी जिला अस्पताल की अहम भूमिका के मद्देनजर इसके विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने कहा, ''यह संतोषजनक है कि अस्पताल ठीक से काम कर रहा है, लेकिन कर्मचारियों की कमी देखी गई है। पर्याप्त कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा कर्मियों के लिए एक व्यापक स्थानांतरण नीति शीघ्र ही तैयार की जाएगी। इसके अलावा, हमारे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सहयोग और प्रोत्साहन देने के लिए चिकित्सकों को दी जाने वाली आवास सुविधाओं में सुधार किया जाएगा।''

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने असम की बराक घाटी को 'अपराध का केंद्र' बना दिया था : नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राम कृष्ण नगर (असम)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के लिए बराक घाटी को ''अपराध का केंद्र'' बना दिया था। नवीन ने कहा कि लोगों ने राज्य में सत्ता से बेदखल करके ''घुसपैठियों के तुष्टीकरण की राजनीति'' के लिए कांग्रेस को दंडित किया।

श्रीभूमि जिले में रामकृष्ण नगर से पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा, ''पिछली सरकारों ने वोट बैंक की राजनीति के लिए बराक घाटी को अपराध का केंद्र बना दिया था। तुष्टीकरण की राजनीति अपने चरम पर थी क्योंकि कांग्रेस सरकारें स्थानीय लोगों के बजाय घुसपैठियों को लेकर ज्यादा चिंता दिखाती थीं।'' उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस को ''दंडित'' करने का फैसला किया और उसे सत्ता से बाहर कर दिया और विकास के एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार को सत्ता में बैठाया। उन्होंने विश्वास जताया कि नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) असम में भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेगा। नवीन ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने 'विरासत-विकास' को एक साथ आगे बढ़ाने पर पूरा ध्यान दिया है और राज्य के दक्षिणी हिस्से में अपराध पर अंकुश लगाया है। उन्होंने कहा, ''अब कोई भी अपराधी जनता को परेशान करने की हिम्मत नहीं करता, क्योंकि वे जानते हैं कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा किसी को भी नहीं बख्शेंगे।''

असली अपराधी बच निकले, एनआईए स्थानीय लोगों को परेशान कर रही : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालदा (बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि मालदा जिले के मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा के असली आरोपी फरार हो गए जबकि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) निर्दोष स्थानीय लोगों को पकड़कर परेशान कर रहा है।

मालदा के मानिकचक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 'विचाराधीन' मामलों की जांच कर रहे न्यायिक अधिकारियों के पास जाने के बजाय मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को दोबारा शामिल कराने के लिए न्यायाधिकरणों में आवेदन करें। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि इसके बजाय, मतदाता सूची से गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए न्यायाधिकरणों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के संदर्भ में कहा, ''दो सांप्रदायिक दलों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और भाग निकले। अब एनआईए स्थानीय युवाओं को परेशान कर रही है। जांच के नाम पर करीब 50 निर्दोष लोगों को उठा लिया गया है।''

माझी ने 'खड़ी छुआन' अनुष्ठान किया, कहा- कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विद्यालयों में पहली बार प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए शनिवार को यहां एक समारोह में पारंपरिक 'खड़ी छुआन' अनुष्ठान किया जो शिक्षा की शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

पेशे से शिक्षक रहे माझी ने राज्य स्तरीय 'खड़ी छुआन' कार्यक्रम के आयोजन स्थल राजभवन सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के हाथ पकड़कर उन्हें चाक और स्लेट से उड़िया में 'मां-बाप' लिखना सिखाया।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनकी सहजता और मानसिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके नाम, उनके पिता का नाम और सुबह उन्होंने क्या खाया था, जैसे प्रश्न पूछे। उन्होंने बच्चों के लिए तैयार की गई विषय-आधारित शैक्षणिक सामग्री की प्रदर्शनी को भी देखा और बच्चों में शैक्षणिक सहायता किट वितरित कीं।

माझी ने कहा कि यह अनुष्ठान उड़िया संस्कृति की एक पवित्र परंपरा है जिसमें बच्चों को बहुत कम उम्र में ही शिक्षा से परिचित कराया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न विद्यालयों में खोले गए 'शिशु वाटिका' केंद्रों में बच्चों को लाने के लिए अभिभावकों को लगभग पांच लाख निमंत्रण पत्र वितरित किए हैं ताकि पंजीकरण की संख्या बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा, ''हम 'खड़ी छुआन' को ग्राम स्तर से लेकर राज्य की राजधानी तक एक उत्सव के रूप में आयोजित करते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। हम बच्चों और उनके अभिभावकों में शिक्षा के प्रति रुचि पैदा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य 100 प्रतिशत पंजीकरण है।''

अभिषेक बनर्जी ने भाजपा की 'डबल इंजन' वाली रणनीति पर साधा निशाना

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने भाजपा की ''डबल इंजन'' वाली रणनीति पर निशाना साधते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि जहां उसका एक इंजन लोकतांत्रिक संस्थानों का दुरुपयोग करके चलता है, तो वहीं दूसरा इंजन एआईएमआईएम, आईएसएफ और एजेयूपी जैसे ''स्थानीय एजेंटों'' की भर्ती करके ''सांप्रदायिक तनाव'' भड़काने का काम करता है।

बनर्जी ने कहा कि बंगाल जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए सरकार चुनेगा। डायमंड हार्बर के सांसद ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया, ''हर जगह 'डबल इंजन' की ही रट लगाना। आपको पता है भाजपा का असली 'डबल इंजन' क्या है? एक इंजन लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने, निर्वाचन आयोग का दुरुपयोग करके वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने, राज्य तंत्र को अस्थिर करने के लिए ईमानदार अधिकारियों का तबादला करने और मतदाता सूचियों में हेराफेरी करने के लिए अवैध रूप से बाहरी लोगों को आयात करने पर चलता है।''

पुरी में श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को पहले चरण की वन मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्र सरकार ने पुरी में प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा परियोजना के लिए वन मंजूरी के पहले चरण को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह हवाईअड्डा परियोजना वर्ष 2021 में ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा प्रस्तावित की गई थी। इसके तहत निर्माण के लिए लगभग 27 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सशर्त अनुमति दी गई है। पुरी के जिला कलेक्टर दिव्यज्योति परिदा ने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दी गई यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ है। इनमें वृक्षारोपण, वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संबंधी नियमों का पालन शामिल है। उन्होंने कहा कि इन शर्तों को पूरा करने के बाद परियोजना को दूसरे चरण की मंजूरी मिल सकेगी, जिससे निर्माण कार्य की पूर्ण अनुमति मिल जाएगी। मंत्रालय ने इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र के माध्यम से स्वीकृति दी है। इसके तहत पुरी वन प्रभाग की 27.887 हेक्टेयर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग करने की अनुमति दी गई है।

गेंदबाजों के कमाल के बाद रिजवी की अर्धशतकीय पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियन्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुकेश कुमार और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद समीर रिजवी (90) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

मुंबई इंडियन्स को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 18.1 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर हासिल कर लिया। पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की।

रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर को कैच दे बैठे, वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया।

पायल ने शीतल को हराकर उलटफेर करते हुए स्वर्ण जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/भाषा। दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने यहां विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

अठारह साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते। पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार '9' और एक बार '10' का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार '10' का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

क्रोध एक जलता हुआ कोयला है जिसे हम दूसरों पर फेंकने के लिए पकड़ते हैं, लेकिन सबसे पहले हाथ हमारा ही जलता है।

ट्वीट

संसदीय क्षेत्र के ढीपरी चम्बल (कोटा) और चाणदा खुर्द (बून्दी) के बीच चम्बल नदी पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय पुल सहित 281 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया।

-ओम बिरला

प्रदेश के गाँवों एवं ढाणियों के सर्वांगीण एवं संतुलित विकास हेतु हमारी सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान' की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक गाँव एवं वार्ड के विकास को नई गति, नई दिशा एवं सशक्त आधार प्रदान करना है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

रिश्ता

डॉक्टर अमर शहर के अपने हॉस्पिटल के इस सोसाइटी से जुड़ने बाद वहां पहली बार बुजुर्गों का साप्ताहिक मेडिकल जांच करने गए थे। शहर के बाहरी इलाके में यह सोसाइटी केवल वृद्धजनों के लिए बनाई गई थी। यहां वृद्धजन और वृद्ध दम्पति अपने परिवारजनों के साथ सामंजस्य नहीं बैठने और आत्मसम्मान के कारण रह रहे थे। इस सोसाइटी में टॉवर के हर फ्लोर पर लिफ्ट की सुविधा वाले चार फ्लैट थे। प्रत्येक चार मंजिला टॉवर के नीचे वाली दो मंजिल के फ्लैट बुजुर्ग दम्पति के लिए दो कमरे अटैच वाशरूम वाले थे। अकेले बुजुर्ग के लिए ऊपर वाली मंजिल में एक कमरा अटैच वाशरूम के साथ था। हर फ्लैट में टेलीविजन , एयरकंडीशनर , गीजर आदि की सुविधा थी। प्राकृतिक हवा और रोशनी से भरपूर हर कमरे की बालकनी से बाहर विभिन्न तरह के फूलों और वृक्षों वाला हरा भरा बड़ा बाग दिखता था। वहां बीच में क्लब हाउस और बाग की सीमा के चारों और पैदल चलने का मार्ग बना हुआ था। क्लब हाउस में बुज़ुर्गों के लिए मनोरंजन और खेल की व्यवस्था थी। पेड़ों के नीचे बैठने के लिए बैंच रखी हुई थीं। सोसाइटी की हर चार मंजिल टावर के ग्राउंड फ्लोर पर एक मेस बनी हुई थी। जहां उस टावर में रहने वाले वृद्धजनों को समय पर नाश्ता , दोपहर का खाना और रात का खाना दिया जाता था। हर फ्लैट में समय पर चाय और दूध भिजवाया जाता था। चलने - फिरने में परेशानी होने वाले वृद्धजनों के लिए व्हीलचेयर और अटेंडेंट भी थे। उनके स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी भी परेशानी के लिए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध थी। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा उनकी स्वास्थ्य संबंधी साप्ताहिक जांच की जाती थी। वहां की व्यवस्था और बुजुर्गों की देखभाल से डॉ अमर बहुत प्रभावित हुए थे।

बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जांच के लिए वहां आए शर्मा दम्पति को देखकर वे चौंक गए। शर्मा दम्पति कोई और नहीं बल्कि उनके बचपन के मित्र और सहपाठी रहे डॉक्टर राजन के माता - पिता थे। डॉ. अमर ने उनके चरण स्पर्श किए । बहुत लम्बे समय बाद वे उनसे मिले थे । डॉ. अमर को पहचानने के बाद उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक गए।शर्मा दम्पति से मिलकर डॉ. अमर की अतीत की यादें ताजा हो उठीं। उनके साथ बिताए लम्हे आज भी उसकी यादों में ताजा थे। एक समय शहर के इस जाने माने प्रतिष्ठित शर्मा परिवार से हर व्यक्ति सम्पर्क और संबंध बनाने में अपनी इज़्ज़त और पहचान में बढ़ोतरी समझता था। डॉ. अमर का बचपन उनके पड़ोस में बीता था। शर्माजी का परिवार कुछ समय बाद शहर में बनी एक नई कॉलोनी में बना हुआ मकान खरीदकर उसमें शिफ्ट हो गया था। शर्माजी सरकारी कॉलेज में प्रिंसिपल थे। उनका पुत्र राजन स्कूल से एम बी बी एस की पढ़ाई पूरी करने तक अमर के साथ पढ़ा था। अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई करने के लिए राजन दूसरे शहर चला गया था। वह अपनी बहन रजनी के विवाह में जरुर यहां आया था। उसके बाद उनका राजन से सम्पर्क नहीं हो पाया था।

डॉ. अमर को शर्मा दम्पति के इस सोसाइटी में रहने का कारण समझ में नहीं आ रहा था।सभी बुजुर्गों के मासिक मेडिकल जांच के बाद वह शर्मा दम्पति से मिलने उनके फ्लैट में गया। डॉ. अमर के बार - बार राजन और रजनी के बारे में पूछने पर शर्माजी कहने लगे बेटा अमर , पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के दौरान ही राजन के अपने प्रोफेसर गाइड की पुत्री से लव अफेयर होने के बाद दोनों ने अंतरजातीय विवाह कर लिया। राजन वहीं एक हॉस्पिटल में नौकरी लग गया। हमें इसकी केवल सूचना दी गई थी। हम आयतों पर लिखी इबारतों की तरह उसके फैसले को नहीं बदल सके। वहां के रुपयों - पैसों की चकाचौंध से आकर्षित होकर वहीं की जीवनशैली अपना चुका राजन अब यहां बसने के लिए शायद ही आए। एक बार वह बहू को हमसे मिलवाने यहां आया था। बहू को हम और हमारी संस्कृति समझ में नहीं आई । उन्होंने हमें कभी उनके साथ चलने और रहने के लिए कहा। राजन हमारे हाल चाल जानने के लिए पन्द्रह दिन में एक बार फोन जरुर कर देता है। ऐसा लगता है मानो हमारी बहू को तो हमसे कोई सरोकार नहीं है। कभी - कभी हमें लगता है कि शायद राजन की परवरिश में हमसे कोई कमी रह गई। हम ही समय रहते बदलती हुई परिस्थितियों को समझ नहीं पाए।

यह कहते हुए उनका गला रुंध सा गया था। वे पानी पीने के थोड़ी देर बाद फिर से कहने लगे रजनी के विवाह और राजन की पढ़ाई के समय लिए कर्ज को मेरे रिटायरमेंट पर मिले रुपयों से और अपना कॉलोनी वाला मकान बेचकर चुकाया। उसमें से बचे हुए रुपये हमने इस सोसाइटी में जमा करवा दिए। मुझे मिलने वाली पेंशन हमारे सामाजिक कार्यों के लिए पर्याप्त है। हमने सोचा था कि सिर छुपाने के लिए छत तो राजन के यहां आने के बाद में भी बन जाएगी। लेकिन ऐसा हो न सका। अकेलापन हमें खाने लगा था। हमारे साथ लम्बे समय से रहे घरेलू नौकर की बीतते समय के साथ हमसे अपेक्षाएं बढ़ती जा रही थीं। धीरे - धीरे वह हमें अनसुना और अनदेखा करने लगा था। हम दोनों ने बहुत सोच विचार कर हालात से समझौता करते हुए यहां आना ही उचित समझा।

उम्र के इस पड़ाव पर हमारी देखभाल के लिए भी तो कोई चाहिए। यहां हमें कोई परेशानी नहीं है। यहां रहने वाले सभी बुजुर्ग उन परिवारों से हैं जिनके बच्चों के पास उनके लिए समय नहीं है। जीवन की इस सच्चाई में आदमी अपनों के ही कारण अपनों से दूर हो गया है। अब हमारे लिए परिवार यही है। यहां कमी केवल बच्चों की है जिनके कारण ही हम सभी यहां आए हैं। रजनी दूसरे शहर में रहती है। अपने पति और बच्चों के साथ व्यस्तता में उसे भी समय कम ही मिलता है। रजनी ने हमें उसके साथ रहने के लिए बहुत कहा। लेकिन हमारी भी पारिवारिक और सामाजिक मजबूरियां हैं।

यह कहकर शर्माजी और मिसेज शर्मा के आंखों से आंसू बह निकले। उनकी आंखों से टपकते आंसू उनके दिल और दिमाग के हाल को बयां कर रहे थे । शर्माजी अपनी पत्नी को हिम्मत बंधाने लगे। डॉ. अमर बेबस और हैरान से बैठे हुए सब कुछ ध्यान से सुन और देख रहे थे। उनके मन में उठ रहे तरह - तरह के सवालों के जवाब नहीं थे। वे सोचने लगे कि यहां रह रहे बुजुर्गों को इनके अपनों ने ही खुद के स्वार्थवश परिवार से अलग कर दिया था। जो समय इनको अपनों के बीच गुजारना चाहिए वे यहां गुजार रहे थे। कभी धार्मिक स्थलों पर बेटे की चाहत में मन्नतें मांगने वाले हाथ अब उन्ही बेटों को अपने सहारे के लिए तलाश रहे थे। लेकिन परिवार के होते हुए भी यहां रह रहे बुजुर्ग बिना आत्मा के शरीर से नजर आ रहे थे।

अपने बच्चों की चैन की नींद के लिए ये बुजुर्ग अपनी ख़्वाहिशों को मारकर न जाने कितनी रातें सोए नहीं होंगे। इन्होने खुद कष्ट भोगकर और अपना खून - पसीना बहाकर बच्चों के सपनों को ज़िन्दा रखा होगा। यहां गुजरते समय के साथ उनकी सारी उम्मीदें टूट चुकी हैं कि उन्हे वापिस घर ले जाने के लिए उनके बच्चे इस सोसाइटी में आएंगे।

राजन के अपने माता - पिता के प्रति यह व्यवहार देखकर डॉ.अमर के अंदर भावनाओं का जलजला आ और जा रहा था। कई तरह के सवाल उसके दिमाग में जन्म लेने लगे थे। शर्मा दम्पति से बातचीत के दौरान उन्होने जाना कि वहां रहने के लिए वृद्धजनों और दम्पतियों से उनके जीवन ही नहीं अंतिम संस्कार तक का एक मुश्त तय पैसा एडवांस ले लिया जाता था। आर्थिक रुप से समर्थ वृद्धजनों के लिए ही यहां की व्यवस्था थी। सोसाइटी मैनेजमेंट की अनुमति के बिना वहां अंदर या बाहर कोई भी आ या जा नहीं सकता था। उस सोसाइटी की अपनी एक अलग ही दुनिया थी। जहां अपने तथाकथित परिवारजनों से अलग रह रहे वृद्धजन खुशनुमा माहौल में बिना किसी शिकायत अपना जीवन खुशी से व्यतीत कर रहे थे। दुर्भाग्य से जिन बच्चों के पालन पोषण में उन्होंने कभी अपने जीवन का सब कुछ लगा दिया था , आज उन बच्चों के पास बुजुर्ग माता - पिता को अपने साथ रखने के लिए न ही घर और न ही दिल मे कोई जगह बची थी। इस तरह की संतानों की संवेदनाएं मर चुकी थीं। वे इनसे मिलने भी शायद ही आते थे।

डॉ. अमर ने शर्मा दम्पति को अपने घर चलकर वहीं रहने का अनुरोध किया। परन्तु वे नहीं माने। शर्माजी कहने लगे यहां आने के बाद अनजान लोगों से बने हमारे रिश्तों में जो आपसी विश्वास है , वह हमेशा रहेगा । इन रिश्तों में खोखलापन नहीं है। इनके साथ जीवन में हमें आशा की किरण दिखाई देती है। यह कहते हुए उनकी आंखें नम थीं। उनके सपने टूटकर बिखर गए थे। डॉ. अमर ने उनके कमरे से बाहर निकलकर मुड़कर देखा। शर्मा दम्पति एक पुराने फोटो एल्बम पर से धूल साफ कर उसमें अपने बच्चों की यादें ढूंढ रहे थे।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सोंध

अभी समय बरसात हुई है। कुछ बच्चे घर से मनाही के बाद भी भीगने के आनंद से स्वयं को वंचित होने से रोक नहीं पा रहे हैं। बच्चों के भीगने को लेकर परिजनों की अपनी चिंताएँ हैं। अलग-अलग घर से अपने-अपने बच्चे का नाम लेकर पुकार लग रही है। ऐसे में अपना आनंद अधूरा छोड़कर घर लौटे लड़के को डाँटती उसकी माँ का स्वर कानों में पड़ा, आई टोल्ड यू मैनी टाइम्स बट यू डोंट लिसन। मिट्टी इज़ डर्टी थिंग.., मिट्टी को हाथ भी नहीं लगाना। यू अंडरस्टैंड?...इस आभिजात्य(!) माँ की चिंता कानों में पिघले सीसे की तरह उतरी।

मिट्ट इज़ डर्टी थिंग..!! सृष्टि के 84 लाख जीवों में से एक मनुष्य को छोड़कर शेष सबका प्रकृति के साथ तादात्म्य है। बुद्धि का वरदान प्राप्त विकास की राह पर चलते मनुष्य से यह तादात्म्य अधिक अपेक्षित है। तथापि अनेक प्राकृतिक आपदाएँ झेलते मनुष्य की भस्मासुरी प्रवृत्ति आश्चर्यचकित करती है। अपनी लघुकथा 'सोंध' स्मरण हो आई। कथा कुछ इस प्रकार है-.....

'इन्सेन्स- परफ्यूमर्स ग्लोबल एक्जीबिशन'.., इत्र बनानेवालों की यह यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी थी। लाखों स्क्वेयर फीट के मैदान में हज़ारों दुकानें। हर दुकान में इत्र की सैकड़ों बोतलें। हर बोतल की अलग चमक, हर इत्र की अलग महक। हर तरफ इत्र ही इत्र।

अपेक्षा के अनुसार प्रदर्शनी में भीड़ टूट पड़ी थी। मदहोश थे लोग। निर्णय करना कठिन था कि कौनसे इत्र की महक सबसे अच्छी है। तभी एकाएक न जाने कहाँ से बादलों का रेला आसमान में आ धमका। गड़गड़ाहट के साथ मोटी-मोटी बूँदें धरती पर गिरने लगीं। धरती और आसमान के मिलन से वातावरण महकने लगा। ..दुनिया के सारे इत्रों की महक अब अपना असर खोने लगी थीं। माटी से उठी सोंध सारी सृष्टि पर छा चुकी थी।..... इस लघुकथा का संदर्भ इसलिए कि अपनी क्षणभंगुर कृत्रिमता को अविनाशी प्राकृतिक के सामने खड़ा करता मनुष्य दयनीय लगने लगा है। मिट्टी से बना आदमी अपनी मिट्टी खुद पलीद कर रहा है। मिट्टी में मिलने के सत्य को जानते हुए भी मिट्टी से एलर्जी रखने वाली मनुष्य की यह मानसिकता सचमुच भय उत्पन्न करती है।

बोध कथा

सीनेरू की कथा

सीनेरू ईदू मिशमी समुदाय के पहले इगु (पुजारी) माने जाते हैं। वे प्रसिद्ध, सिद्ध तथा शक्तिशाली इगु थे एवं उनकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हुई थी। एक बार तिब्बत में महामारी फैली। पेचिश से लोग मर रहे थे। पूरे तिब्बत की लगभग आधी आबादी इससे प्रभावित हो रही थी, तो ऐसे में सीनेरू को वहाँ के लोगों को रोगमुक्त करने के लिए बुलाया गया। सीनेरू अपनी बूढ़ी माँ जवान पत्नी तथा बच्चों को छोड़कर तिब्बत चले गए। जाने से पहले वह इशुरू नामक बाज को अपना खबरी बनाकर घरवालों की पल-पल की खबर देने का जिम्मा दे गए । तिब्बत में महामारी इतनी भयंकर रूप में फैली हुई थी कि सीनेरू को वहाँ वर्षों तक रुकना पड़ा। फिर एक दिन उनके खबरी बाज इशुरू ने आकर उन्हें दु:खद समाचार सुनाया। उसने बताया कि उनका आ यानी बच्चा नहीं रहा। यह सुनकर वे बहुत दु:खी तो हुए, किंतु अपने दु:ख से बड़ी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए उन्होंने इशुरू से कहा, बच्चे तो मैं और मेरी पत्नी फिर पैदा कर सकते हैं और पत्नी भी दूसरी ब्याह कर ला सकता हूँ, किंतु मेरा यहाँ रहना ज्यादा जरूरी है। यहाँ के लोगों को मेरी जरूरत है । अत: तुम जाओ और कोई नई खबर हो तो ले आना। इशुरू वापस लौट गया।

कुछ वर्ष बाद इशुरू फिर लौटकर आया। इस बार वह सीनेरू की माता की मौत की खबर लाया था । सीनेरू अपनी माता की मौत की खबर पाकर गहरे सदमे में चले गए। कुछ दिनों तक तो वे सदमे में रहे, फिर उन्होंने वहाँ के लोगों से कहा, पत्नी और बच्चे तो मुझे दोबारा मिल जाएँगे, किंतु माँ दोबारा नहीं मिल सकती, इसलिए मुझे जाना होगा। यह कहकर सीनेरू वहाँ से अपने घर के लिए निकल पड़े। लौटते समय आथो पोपू नामक स्थान पर सीनेरू एक पत्थर पर बैठकर घंटों रोते रहे। मान्यता है कि आज भी उस पत्थर पर सीनेरू के आँसू विद्यमान हैं और उनके हाथों के निशान भी उस पत्थर पर देखने को मिलते हैं।

सीने अपने गाँव में प्रवेश करते ही वहीं फाटक पर बैठकर तप करने लगे । तप करते-करते वे अवचेतनावस्था में चले गए और उस अवस्था में अपनी माता को उन्होंने देखा । उसके बाद उन्होंने इशुरू को घर जाकर मुरगा अथवा मुरगी पकड़ने का प्रयास कर, यह देखने को कहा कि वहाँ कोई आत्मा है या नहीं ? थोड़ी देर में इशुरू लौटा और बताया कि वहाँ एक बूढ़ी औरत ने मुरगी की रक्षा करते हुए मुझे भगाया। यह सुनते ही सीनेरू समझ गए कि उनकी माँ की रूह आस-पास ही भटक रही है। वे तुरंत घर पहुँचकर या (किसी की मृत्यु पर किया जानेवाला रिवाज) करने लगे। पूरे पाँच दिन तक लगातार या करने के बाद सीनेरू अपनी माँ को मृत्युलोक से वापस लाने में कामयाब हुए। माँ लौट तो आई, परंतु बड़े भयंकर रूप में। उसने गले तथा कानों में आंजीपोम्ब्रा (केंचुआ) का हार तथा बालियाँ धारण की हुई थी। पूरा शरीर बदबूदार था। वह किसी पक्षी की तरह सी-सी करते हुए आसोका (द्वार) से घर के अंदर प्रवेश करने का प्रयास करने लगी, किंतु सीनेरू की पत्नी वहीं बैठकर कपड़ा बुन रही थी। अपनी सास को गंदे और भयंकर रूप में देखकर घबराहट में चिल्लाते हुए उसने आब्रीपा (कपड़े बुनने का औजार) से मारकर उसे भगा दिया। पेड़ पर बैठा उल्लू यह सब देख रहा था। उसने प्रस्ताव रखा कि माँ को मैं ऐसे झरने के पास ले जाऊँगा और उन्हें साफ कर दूँगा । कुछ देर बाद उल्लू अकेला लौट आया। माँ उसके साथ नहीं थी। सीनेरू के पूछने पर उसने बताया कि माँ उस झरने के पासवाली पहाड़ी से गिरकर मर गई। उसे पीशु और प्रावु (पक्षियों के नाम) खा गए होंगे। इस बात की पुष्टि करने के लिए सीनेरू मक्खी का रूप धारण कर उस झरने के पास अपनी माँ को खोजने लगे। किंतु माँ कहीं नहीं मिली। पेथ्रो और पाली (पक्षियों के नाम) से पूछने पर उन्होंने बताया कि हम तो दिन भर पानी पीने को इधर-उधर उड़ते फिरते हैं, हमने आपकी माँ को कहीं नहीं देखा। हाँ, किंतु उल्लू के मुँह से बदबू आ रही थी । यह सुनते ही सीनेरू सब समझ गए। उनको समझ में आ गया कि उल्लू उनकी माँ को खा गया। फिर इस बात की पुष्टि के लिए वे उल्लू के पास गए तो उसके मुँह से बदबू आ रही थी और उसके बदबूदार मुँह के आसपास मक्खियाँ भिनभिना रही थीं। मारे गुस्से के सीनेरू ने उल्लू को मार दिया और उसकी चोंच को खोलकर देखा, तो उसमें सीनेरू को अपनी माँ के केश मिले।

एक बार देवशर्मा नाम के ब्राह्मण के घर जिस दिन पुत्र का जन्म हुआ उसी दिन उसके घर में रहने वाली नकुली ने भी एक नेवले को जन्म दिया । देवशर्मा की पत्नी बहुत दयालु स्वभाव की स्त्री थी । उसने उस छोटे नेवले को भी अपने पुत्र के समान ही पाल-पोसा और बड़ा किया । वह नेवला सदा उसके पुत्र के साथ खेलता था । दोनों में बड़ा प्रेम था । देवशर्मा की पत्नी भी दोनों के प्रेम को देखकर प्रसन्न थी । किन्तु, उसके मन में यह शंका हमेशा रहती थी कि कभी यह नेवला उसके पुत्र को न काट खाये । पशु के बुद्धि नहीं होती, मूर्खतावश वह कोई भी अनिष्ट कर सकता है ।

एक दिन उसकी इस आशंका का बुरा परिणाम निकल आया । उस दिन देवशर्मा की पत्नी अपने पुत्र को एक वृक्ष की छाय़ा में सुलाकर स्वयं पास के जलाशय से पानी भरने गई थी । जाते हुए वह अपने पति देवशर्मा से कह गई थी कि वहीं ठहर कर वह पुत्र की देख-रेख करे, कहीं ऐसा न हो कि नेवला उसे काट खाये । पत्नी के जाने के बाद देवशर्मा ने सोचा, 'नेवले और बच्चे में गहरी मैत्री है, नेवला बच्चे को हानि नहीं पहुँचायेगा ।' यह सोचकर वह अपने सोये हुए बच्चे और नेवले को वृक्ष की छाय़ा में छोड़कर स्वयं भिक्षा के लोभ से कहीं चल पड़ा ।

दैववश उसी समय एक काला नाग पास के बिल से बाहिर निकला । नेवले ने उसे देख लिया । उसे डर हुआ कि कहीं यह उसके मित्र को न डस ले, इसलिये वह काले नाग पर टूट पड़ा, और स्वयं बहुत क्षत-विक्षत होते हुए भी उसने नाग के खंड-खंड कर दिये।

सांप को मारने के बाद वह उसी दिशा में चल पड़ा, जिधर देवशर्मा की पत्नी पानी भरने गई थी । उसने सोचा कि वह उसकी वीरता की प्रशंसा करेगी, किन्तु हुआ इसके विपरीत।

उसकी खून से सनी देह को देखकर ब्राह्मण पत्नी का मन उन्हीं पुरानी आशङ्काओं से भर गया कि कहीं इसने उसके पुत्र की हत्या न कर दी हो । यह विचार आते ही उसने क्रोध से सिर पर उठाये घड़े को नेवले पर फैंक दिया । छोट़ा सा नेवला जल से भारी घड़े की चोट खाकर वहीं मर गया । ब्राह्मण-पत्नी वहाँ से भागती हुई वृक्ष के नीचे पहुँची । वहाँ पहुँचकर उसने देखा कि उसका पुत्र बड़ी शान्ति से सो रहा है, और उससे कुछ दूरी पर एक काले साँप का शरीर खँड-खँड हुआ पड़ा है । तब उसे नेवले की वीरता का ज्ञान हुआ । पश्चात्ताप से उसकी छात़ी फटने लगी ।

इसी बीच ब्राह्मण देवशर्मा भी वहाँ आ गया । वहाँ आकर उसने अपनी पत्नी को विलाप करते देखा तो उसका मन भी सशंकित हो गया । किन्तु पुत्र को कुशलपूर्वक सोते देख उसका मन शान्त हुआ । पत्नी ने अपने पति देवशर्मा को रोते-रोते नेवले की मृत्यु का समाचार सुनाया और कहा- मैं तुम्हें यहीं ठहर कर बच्चे की देख-भाल के लिये कह गई थी । तुमने भिक्षा के लोभ से मेरा कहना नहीं माना । इसी से यह परिणाम हुआ।

वीर गाथा

सिपाही रूपम गोगोई : घने जंगल में गुप्त ठिकाना ढूंढ़कर आतंकवादियों का किया खात्मा

सिपाही रूपम गोगोई का जन्म 25 अक्टूबर, 1984 को असम के जोरहाट जिले के मारियानी गांव में हुआ था। माता हिरण्या गोगोई और पिता भाबेन गोगोई के बेटे रूपम बचपन से ही अनुशासित और साहसी स्वभाव के थे। वे सितंबर 2004 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें असम रेजिमेंट की 10वीं बटालियन में शामिल किया गया था।

रूपम साल 2009 में जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। एक दिन सेना को भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के बारे में खुफिया सूत्रों से सूचना मिली। 28 मार्च को रूपम की यूनिट को कठुआ तहसील में स्थित घने जंगल के इलाके में अभियान की जिम्मेदारी दी गई। उस अभियान में रूपम ने अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन किया। उनके सैन्य कौशल से अन्य जवानों को भी प्रेरणा मिली। रूपम को आतंकवादियों का एक गुप्त ठिकाना नजर आया। वहां दो आतंकवादी घात लगाकर बैठे थे।

रूपम ने आतंकवादियों को कोई मौका न देते हुए उन पर तुरंत गोलीबारी की। इससे आतंकवादी घबरा गए। उन्होंने जवानों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इससे रूपम गंभीर रूप से घायल हुए, लेकिन उन्होंने पीछे हटने से इन्कार कर दिया। वे दुश्मन पर लगातार गोलीबारी करते रहे। रूपम आगे बढ़े। उन्होंने बेहद करीब जाकर गोली चलाई और एक आतंकवादी को मार गिराया। सिपाही रूपम वहीं नहीं रुके। उन्होंने दूसरे आतंकवादी को ललकारा और उस पर धावा बोला। उन्होंने अपने साथियों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी। उनका काफी खून बह चुका था। वे अपने कर्तव्य-पथ पर अडिग रहे।

अचानक रूपम बेहोश हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वे भारत मां के लिए बलिदान हो गए। सिपाही रूपम गोगोई के असाधारण शौर्य, अदम्य साहस और वीरगति को देशवासी नमन करते हैं। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजकुमार राव के प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की आगामी फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है।

वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं। बाद में उसे पता चलता है कि उस कपल का तलाक हो गया और टोस्टर दान कर दिया गया। यह सुनकर वह परेशान हो जाता है और टोस्टर वापस लाने के लिए निकल पड़ता है। टोस्टर वापस लाने की इस कोशिश में वह खुद और अपने आसपास के लोगों को अजीब और मुश्किल हालात में फंसा देता है। वह जितनी बार चीज़ों को ठीक करने की कोशिश करता है, उतनी ही ज्यादा परेशानी बढ़ती जाती है।

फिल्म को लेकर अभिनेता राजकुमार राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, फिल्म 'टोस्टर' मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि यह हमारे प्रोडक्शन हाउस, 'कम्पा फिल्म' के तहत हमारी पहली फिल्म है और इसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है।

मैं फिल्म की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं। इस फिल्म की जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित किया है वह थी कि कैसे छोटी सी चीज किसी इंसान के दिमाग पर पूरी तरह से हावी हो सकती है। उन्होंने अपने किरदार को लेकर कहा, रमाकांत ऐसा व्यक्ति है जो सोचता है कि जो वह कर रहा है, वह बिल्कुल सही है। वह अपने कामों को अतिवादी नहीं बल्कि व्यावहारिक मानता है। लेकिन यही बात इस पूरी यात्रा को अनोखा और अप्रत्याशित बना देती है। यह कहानी बहुत वास्तविक जीवन से जुड़ी हुई है। धीरे-धीरे ईमानदारी को अराजकता में बदलते देखना ही इस फिल्म को मजेदार बनाता है। इतनी शानदार कास्ट के साथ काम करना भी बहुत अच्छा अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ दोबारा काम करना भी खुशी की बात है। उन्होंने हमेशा नई कहानियों को आगे बढ़ाया है।

निर्देशक विवेकदास चौधरी इस फिल्म से डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं और राजकुमार राव की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा के प्रोडक्शन हाउस 'कम्पा फिल्म' की पहली फिल्म है। पत्रलेखा द्वारा निर्मित फिल्म 'टोस्टर' में राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा के अलावा अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरन सिंह, फराह खान, जितेंद्र जोशी, उपेन्द्र लिमये और सीमा पाहवा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। निर्देशक विवेक दास चौधरी इस फिल्म से डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म अब 15 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

अमेरिका ने लापता पायलट की तलाश तेज की, ईरान ने जनता से 'दुश्मन' को पकड़ने में मदद की अपील की

काहिरा/एपी

ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने के बाद लापता हुए पायलट की तलाश अमेरिका ने शनिवार को तेज कर दी। वहीं, ईरान ने लोगों से पायलट के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया और इनाम का वादा किया। ईरान ने अमेरिका के 'एफ-15ई स्ट्राइक ईगल' नामक लड़ाकू विमान सहित दो विमानों को शुक्रवार को मार गिराने का दावा किया था। इस दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया और कम से कम एक पायलट अब भी लापता है। क्षेत्र में गत छह सप्ताह से जारी युद्ध में पहली बार है जब अमेरिका ने ईरानी क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान को खोया है और यह अभियान में एक नया मोड़ साबित हो सकता है।

इजराइल और अमेरिका द्वारा शनिवार को ईरान पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले जारी रहे। वहीं, ईरान द्वारा किए गए ड्रोन हमले में दुबई स्थित अमेरिकी तकनीक दिग्गज कंपनी ओरेकल के मुख्यालय को नुकसान पहुंचने की खबर है। सैन्य विमानों को ईरान द्वारा मार गिराए जाने की खबर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्र को संबोधित किए जाने के दो दिन बाद आई है। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने ''ईरान को हरा दिया है और उसे पूरी तरह से तबाह कर दिया है तथा हम अपने काम को बहुत तेजी से पूरा करने जा रहे हैं।'' इस बीच, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संगठन (आईएईए) ने शनिवार को जानकारी दी कि ईरान के बुशहर परमाणु संयंत्र के पास किए गए हवाई हमले में एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई और एक इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। युद्ध के दौरान यह चौथी बार है जब इस संयंत्र को निशाना बनाया गया है।

ईरान द्वारा अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराने के किए गए दावे पर व्हाइट हाउस और पेंटागन दोनों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पेंटागन से एसोसिएटेड प्रेस से मिले एक ईमेल में, सेना ने कहा कि उसे पश्चिम एशिया में 'एक विमान को मार गिराए जाने' की सूचना मिली है, लेकिन उसने अधिक विवरण नहीं दिया।

पेंटागन ने सशस्त्र सेवा समिति को सूचित किया कि उस विमान से एक अमेरिकी चालक दल के सदस्य को बचा लिया गया है, लेकिन दूसरे सैन्यकर्मी की स्थिति अज्ञात है। शनिवार को भी अमेरिकी सैन्य खोज और बचाव अभियान जारी है।

ट्रंप ने एनबीसी न्यूज के साथ एक संक्षिप्त टेलीफोन साक्षात्कार में खोज और बचाव प्रयासों पर चर्चा करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि जो कुछ हुआ है उससे ईरान के साथ बातचीत प्रभावित नहीं होगी।

रूस के प्रमुख 'थिंक टैंक' के नए प्रमुख ने भारत-चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाने का आह्वान किया

मॉस्को/भाषा। क्रेमलिन समर्थित रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) के नव निर्वाचित अध्यक्ष ने रूस के दो एशियाई रणनीतिक साझेदारों भारत और चीन के बीच 'सकारात्मक' संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया है। वैश्विक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ डॉ. दिमित्री ट्रेनिन ने एक अप्रैल को प्रतिष्ठित विचार मंच आरआईएसी का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने के बाद प्रेस को दिए गए अपने पहले साक्षात्कार में ये बातें कहीं।प्रमुख दैनिक कोमर्सेंट में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में ट्रेनिन ने कहा, ''हमें अपने रणनीतिक साझेदारों चीन और भारत के बीच सकारात्मक संतुलन को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि अमेरिकी या कोई अन्य भारत का इस्तेमाल चीन के खिलाफ और इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से हमारे खिलाफ न कर सके।'' ट्रेनिन ने आगे कहा, ''हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी चीन स्वाभाविक रूप से हमारी ओर से सबसे करीब से ध्यान दिए जाने का पात्र है। इस पर व्यवस्थित रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। यही बात भारत पर भी लागू होती है, जिसके बारे में हमारी सकारात्मक, हालांकि अब भी कुछ हद तक सतही धारणा है।'' सोवियत-रूसी सेना के सेवानिवृत्त कर्नल 70 वर्षीय ट्रेनिन का संबंध अमेरिका-रूस के बीच परमाणु और अंतरिक्ष हथियार वार्ताओं से रहा है। उन्होंने आरआईएसी के अध्यक्ष के रूप में अपनी योजनाओं के मूल सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा, ''हम एक संप्रभु राष्ट्र हैं: हम किसी के दबाव में नहीं आएंगे। हम दुनिया को बिखरने नहीं देंगे।'' उन्होंने मौजूदा समय को उथल-पुथल भरा और नाटकीय बताया। उन्होंने 1994 में कार्नेगी मॉस्को सेंटर में काम शुरू किया था, लेकिन क्रेमलिन के यूक्रेन अभियान का समर्थन करने के कारण उन्हें 2022 में निदेशक पद से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह 'तीसरा विश्व युद्ध' वाक्यांश का प्रयोग करना पसंद नहीं करते क्योंकि इससे प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों में जो हुआ था उसकी निरंतरता का आभास होता है। उन्होंने कहा, ''अधिक सटीक वाक्यांश 'एक नया विश्व युद्ध' है, जो पहले दो युद्धों से अलग है।'' रूस के आरआईएसी की स्थापना 15 वर्ष पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के आदेश से हुई थी। यह भारतीय विश्व मामलों की परिषद की समकक्ष संस्था है।

प्रेरित

चेन्नई में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए 'ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बाघ की वेशभूषा में कलाकारों ने लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

भूकंप और बारिश से पेशावर में राज कपूर की ऐतिहासिक हवेली का हिस्सा ढहा

पेशावर/भाषा। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता राज कपूर की हवेली का एक हिस्सा पेशावर में कथित तौर पर हाल ही में हुई भारी बारिश और उसके बाद शुक्रवार रात आए भूकंप के कारण ढह गया। अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों ने इसकी जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित सदी पुरानी कपूर हवेली को पाकिस्तान सरकार ने वर्ष 2016 में राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया था।

खैबर पख्तूनख्वा हेरिटेज काउंसिल के सचिव शकील वहीदुल्लाह ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद हवेली की दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे शेष ढांचे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीदुल्लाह ने पुरातत्व विभाग और प्रांतीय सरकार से ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की और चेतावनी दी कि लापरवाही जारी रही तो क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

'टच बडी' गाने पर बोलीं जोनिता गांधी, कलाकार के रूप में एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला

मुंबई/एजेन्सी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर उत्साहित हैं। 'डकैत अ लव स्टोरी' के गाने के बारे में उन्होंने खुलकर बात की है। जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए एक कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया। जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा, एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है। अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है।

लांच

'डकैत' का जलवा मुंबई में अपनी आगामी फिल्म 'डकैत' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिनेत्री मृणाल ठाकुर।

शिल्पा शेट्टी को आई 90 के दशक की याद, 'बाजीगर' के खौफनाक सीन पर खुद लिए मजे

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया के दौर में कुछ भी ट्रेंड करने लगता है। कभी कोई पुरानी फिल्मों के संवाद लोगों की जुबान पर चढ़ जाते हैं, तो कभी किसी का लिखा हुआ कोट ट्रेंड करने लगता है। इन दिनों एक नया ट्रेंड लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर '90 के दशक में आप कैसी थीं?' काफी पॉपुलर हो रहा है। यह भारत समेत कई देशों में वायरल हो रहा है और हर कोई इस ट्रेंड को फॉलो कर रहा है। लोग अपने पुराने फोटो या क्लिप शेयर करके 90 के दशक की यादें ताजा कर रहे हैं। इसी ट्रेंड में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी भी शामिल हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार रील शेयर की। इस वीडियो में 90 के दशक की कई बॉलीवुड फिल्मों के क्लिप दिखाए गए हैं। इनमें 'बाजीगर', 'पृथ्वी' और 'इंसाफ' जैसी फिल्मों के सीन शामिल हैं। सबसे खास क्लिप फिल्म 'बाजीगर' की है। रील में फिल्म का वो सीन लिया गया है, जिसमें शाहरुख खान शिल्पा के किरदार को छत से नीचे फेंक देता है।

यह सीन लोगों को आज भी याद है और सोशल मीडिया पर इसके कई मीम्स बनते रहते हैं। शिल्पा ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, आपको इसकी उम्मीद नहीं थी और न ही दोबारा होगी। 90 के दशक की यादें, नॉस्टेल्जिया, कुछ अलग ही होती हैं। 90 के दशक में बॉलीवुड फिल्मों का अपना अलग जादू था। उस समय की कहानियां, गाने और डायलॉग आज भी दिल को छू लेते हैं। शिल्पा शेट्टी 90 के दशक में ही फिल्मों में आईं थीं। 'बाजीगर' उनके करियर की शुरुआती बड़ी फिल्म थी। उस दौर में वे अपनी खूबसूरती और डांस से सबको प्रभावित करती थीं। आज भी वे फिटनेस और एक्टिंग दोनों में सक्रिय हैं। इस रील के जरिए उन्होंने यादों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। फिल्म 'बाजीगर' में शाहरुख खान को उनके करियर की शुरुआत में ही एक नेगेटिव मुख्य भूमिका में लिया गया था। यह अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी थ्रिलर फिल्म थी, जिसने शाहरुख खान को बॉलीवुड में एक प्रमुख स्टार के रूप में स्थापित किया था। यह फिल्म प्रतिशोध की कहानी थी।

कभी 15 लोगों के सामने गाया गाना, आज लाखों की भीड़ होती है इकट्ठी; जैस्मीन सैंडलस ने बताया अपना सफर

मुंबई/एजेन्सी

जानी-मानी सिंगर जैस्मीन सैंडलस इन दिनों 'धुरंधर' की सफलता का आनंद ले रही है। फिल्म के लिए गाए गाने सुपरहिट रहे हैं। उनके सफर की बात करें, तो उन्होंने 2012 में दिल्ली के एक छोटे से क्लब से अपने करियर की शुरुआत की थी और आज वह लाखों की भीड़ के सामने कॉन्सर्ट करती हैं। दरअसल, जैस्मीन ने सोशल मीडिया पर अपने पुराने दिनों की यादें साझा कीं और अपने बदलते वक्त के बारे में बताया। जैस्मीन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह 2012 में एक छोटे क्लब में गाती नजर आ रही हैं। उस समय उनके सामने सिर्फ 15 लोग थे, लेकिन उनका उत्साह आज भी वैसा ही है। उन्होंने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि चाहे उस समय के कम लोग हों या आज की भीड़, परफॉर्म करने का जुनून और इंटेंसिटी कभी

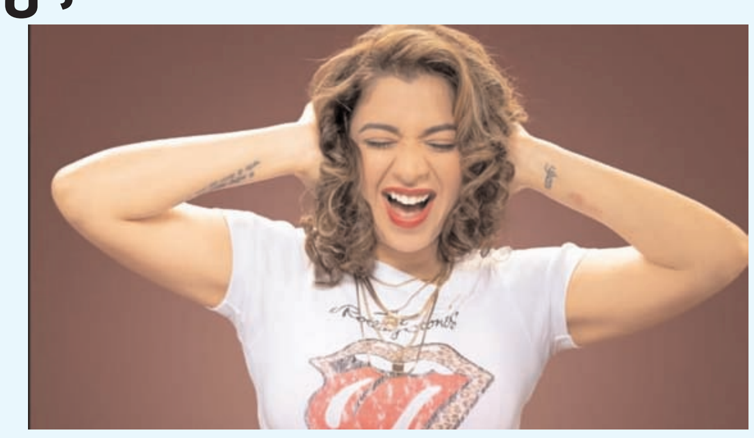

बदलती नहीं है। उन्होंने बताया कि फेम और सक्सेस किसी को नहीं बदलते बल्कि वे दिखाते हैं कि आप असल में कौन हैं।

इसके साथ ही जैस्मीन ने बताया, ''फैंस मुझे मेरे पुराने वीडियो और तस्वीरें भेज रहे हैं, जो करियर के शुरुआती दिनों की याद दिलाती हैं। मैं फैंस का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे सफर को देखा और मेरी सफलता का हिस्सा बने। यह इस पोस्ट साझा करने में खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि इससे मुझे अपने पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं।'' जैस्मीन ने अपनी पोस्ट में लिखा, फैंस के भेजे गए फोटो और वीडियो मेरे अंदर नई एनर्जी लाते हैं। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि लोग मेरे शुरुआती संघर्ष को भी याद रखते हैं और मेरा समर्थन करते हैं।

उन्होंने तब मेरे सफर में साथ दिया, जब मैं इतनी पॉपुलर नहीं थी। जैस्मीन ने अपने सफर को खूबसूरत बताया और कहा, ''मैंने अपने सपनों में पूरी तरह खुद को झोंक दिया। मेरा मानना है कि यही जुनून और समर्पण मुझे आज इस मुकाम तक ले आया है। मैंने अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी मेहनत और लगन दिखाई और यही वजह है कि आज मैं बड़े मंचों पर चमक रही हूं।'' उन्होंने कहा, ''अपने पुराने जीवन को छोड़ना और नए जीवन को अपनाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह बदलाव जीवन का एक निर्णायक अध्याय था, जिसने मुझे आज की सफलता दिलाई। इस बदलाव ने मुझे मजबूत और आत्मविश्वासी इंसान बनाया।''

दौड़ने और दिखावे की दुनिया में अनु अग्रवाल ने सिखाया 'ठहरने' का हुनर

मुंबई/एजेन्सी

जिंदगी में कुछ हादसे इंसान को पूरी तरह से बदलने के लिए होते हैं, तो कुछ नए सबक सिखाकर उसे और मजबूत बना देते हैं। एक कार एक्सीडेंट के बाद अभिनेत्री अनु अग्रवाल ने भले ही सिनेमा की दुनिया से थोड़ी दूरी बना ली है, लेकिन अब वह कई लड़कियों के जीवन की मोटिवेशन हैं। अनु अग्रवाल ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में अपने अनुभव से मिले गहरे सबक को शेयर किया। अभिनेत्री ने लिखा, जिस तरह आप चलते हैं, वैसे ही आप जीवन जीते हैं। ज्यादातर लोग भागते रहते हैं, ज्यादातर लोग दिखावा करते हैं। मैंने भी ये दोनों सीखा, फिर मैंने ठहरना सीखा और उसी ने सब कुछ बदल दिया। अनु ने आगे लिखा, क्या आप अपने दिन को जी रहे हैं या बस उसे जल्दी-जल्दी पार कर रहे हैं?

यह पोस्ट उनके 1999 के उस घातक एक्सीडेंट की याद दिलाती है, जिसमें उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई थी। उस हादसे के बाद अनु अग्रवाल लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहीं। कई सर्जरी हुईं और रिकवरी का लंबा सफर तय करना पड़ा।

फिल्मी करियर बीच में ही रुक गया। लेकिन, इस मुश्किल समय ने उन्हें जीवन के सच्चे मतलब को समझने का मौका भी दिया।अनु अग्रवाल ने 90 के दशक में 'आशिकी' जैसी सुपरहिट फिल्म की थी। उनकी खूबसूरती और अभिनय को खूब सराहा गया था। अनु अग्रवाल ने जितनी जल्दी अपने करियर की ऊंचाइयों को छुआ, वैसे ही उनके जीवन से सब कुछ चला भी गया था।जब अभिनेत्री अपने करियर के पीक पर थीं, उसी दौरान उनका कार एक्सीडेंट हो गया था, जिस वजह से उनकी हालत बहुत खराब हो गई थी। लगभग एक महीने तक कोमा में रहने के बाद काफी लंबे समय तक उनका इलाज चला था। इसके बाद उन्होंने योग, ध्यान और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। योग ने उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरफ से मजबूती दी।

दक्षिणी रेलवे ने यात्री और माल ढुलाई सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के दक्षिणी रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का समापन सभी प्रमुख क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन के साथ किया है, रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित कई लक्ष्यों को पार किया है और यात्री और माल ढुलाई क्षेत्रों में साल-दर-साल महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है।

दक्षिण रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एम. सेंथमिल सेल्वन ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस जोन में यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, और 2025-26 की अवधि के दौरान रिकॉर्ड 7,676.44 लाख यात्रियों ने यहाँ से यात्रा की। यह पिछले वर्ष के 7,318.62 लाख के आंकड़े की तुलना में 4.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाता है और रेलवे बोर्ड के 7,625.80 लाख के लक्ष्य से 0.77 अधिक है। यात्रियों की आवाजाही में हुई इस वृद्धि से राजस्व में बढ़ोतरी हुई और यात्रियों से होने वाली आय 8,269.09 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह उपलब्धि पिछले वर्ष (7,535.68 करोड़ रुपये) की तुलना में 9.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है और रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 8,119.32 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य को 1.8 प्रतिशत से पार कर गई है।

विशेष ट्रेनों के संचालन के अलावा, चालू आरक्षण में प्रभावी उपायों, जिनमें वंदे भारत ट्रेनों के लिए पीआरएस प्रोफाइल में संशोधन करना शामिल है, जिससे मध्यवर्ती स्टेशनों पर प्रस्थान से 15 मिनट पहले तक खाली सीटों का आरक्षण संभव हो पाता है, 198 ट्रेनों में 294 कोच (आईसीएफ और एलएचबी) जोड़कर जनरल सेकंड क्लास कोचों की संख्या बढ़ाना, उच्चतम प्रीमियम तत्काल राजस्व दर्ज करना और उपनगरीय अनारक्षित खंड में 5.2 प्रतिशत राजस्व वृद्धि दर्ज करना, ने समग्र वृद्धि में योगदान दिया।

दक्षिणी रेलवे ने टिकट चेकिंग से अब तक का सबसे अधिक राजस्व अर्जित किया, जो 160.75 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष के 129.82 करोड़ रुपये के संग्रह से 30.93 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। खास बात यह है कि रेलवे बोर्ड का 142.81 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य वित्तीय वर्ष के मात्र 11 महीनों में ही पार कर लिया गया। पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए जोन ने सभी ट्रेनों में हैंड हेल्ड टर्मिनलों (एचएचटी) का शतप्रतिशत कार्यान्वयन भी हासिल किया।

माल ढुलाई क्षेत्र में, दक्षिणी रेलवे ने कुल 42.113 मिलियन टन (एमटी) माल की लोडिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 41.670 एमटी की तुलना में 1.1 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि है। वर्ष के लिए माल ढुलाई राजस्व 3,841.11 करोड़ रुपये रहा, जो बोर्ड के 3,825.83 करोड़ रुपये के लक्ष्य से 0.4 प्रतिशत अधिक है। पार्सल सेगमेंट ने भी शानदार प्रदर्शन किया और राजस्व 168.64 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 160.03 करोड़ रुपये के लक्ष्य से 5.38 प्रतिशत अधिक है और पिछले वर्ष के 168.04 करोड़ रुपये के मुकाबले 0.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

संक्षेप में कहें तो, दक्षिणी रेलवे ने नवीन गैर-किराया राजस्व और विविध स्रोतों के माध्यम से अपनी आय में विविधता लाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुल विविध राजस्व 305.47 करोड़ रुपये तक पहुंच गया , जो बोर्ड के 274.73 करोड़ रुपये के लक्ष्य से अधिक था और पिछले वर्ष की तुलना में 22.34 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) : 73.68 करोड़ रुपये, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.427 की वृद्धि है, जिसका श्रेय चेन्नई एग्मोर और अलवे में बहुस्तरीय पार्किंग, रेल कोच रेस्तरां, वेलाचेरी जैसे स्टेशनों पर स्पोर्ट्स टर्फ जैसी नवीन पहल और ट्रेन में पत्रिका वितरण जैसी पहलों को जाता है। प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स और डिजिटल पार्किंग स्टैंड की शुरुआत के माध्यम से खानपान (128.12 करोड़ रुपये) और पार्किंग (81.5 करोड़ रुपये) में मजबूत प्रदर्शन।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शनिवार को कोयम्बटूर से भाजपा उम्मीदवार विधायक वनथी श्रीनिवासन, अविनाशी सीट से केन्द्रीय मंत्री एल. मुरुगन के हवाई अड्डे आगमन पर कोयंबटूर और तिरुपुर ज़िलों में के भाजपा सदस्यों ने ज़ोरदार स्वागत किया। दोनों प्रत्याशियों ने मीडिया को संबोधित किया।

नि:शुल्क मासिक नेत्र जांच शिविर में 69 लोगों की हुई जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाईए) कॉस्मो फाउंडेशन द्वारा अपने मेडिबैंक प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'बादलचंद सुगनकंवर चोरड़िया योजना' के तहत 2025-26 वर्ष का पहला नि:शुल्क मासिक नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शुक्रवार को संस्था की प्रमुख इकाई शांतिदेवी जवाहरमल चंदन डे केयर एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में 'चेन्नई मेट्रो महावीर' एवं 'शंकरा आई हॉस्पिटल, पम्मल' के विशेष सहयोग से आयोजित हुआ।

शिविर में चिकित्सकों द्वारा कुल 69 व्यक्तियों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 41 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया, जिनका ऑपरेशन अगले सप्ताह में होगा, जबकि 4 व्यक्तियों को चश्मे के लिए चयनित किया गया। नवनिर्वाचित मैनेजिंग ट्रस्टी विकास ललवानी ने बताया कि जरूरतमंद वर्ग को नई रोशनी देने का माध्यम बनने हेतु भविष्य में भी और ऐसे शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा। शिविर के प्रायोजक एक शुभचिंतक रहे, जिनके सहयोग से यह पुण्य कार्य साकार हो सका। इस मौके पर संस्था के सदस्यों व महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें आरवाईए के नवनिर्वाचित सचिव राकेश ललवानी, कोषाध्यक्ष विनोद छाजेड़, नवनिर्वाचित प्रोजेक्ट सचिव सौरभ बाफना, कल्पेश शाह, चिराग चौवटिया, अभय-सुनीता लोढ़ा, मनोज जैन, राज-अंजु बाफना, नवरत्न गादिया, विनोद भुतोरिया, अरुण बोहरा, संदीप बांठिया, नवल-सन्नू कानूगा एवं सुशील चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्लेटिनम जुबली वर्ष के अंतर्गत अन्न सेवा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री अग्रवाल सभा द्वारा अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में साहुकारपेट स्थित अग्रवाल सभा भवन में राहगीरों के लिए प्रातःकालीन नाश्ता वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

ज्ञातव्य है कि श्री अग्रवाल सभा इस वर्ष अपनी स्थापना के पचहत्तरवें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस विशेष अवसर को सेवा वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लेते हुए सभा के पदाधिकारियों ने पूरे वर्ष नियमित रूप से अन्न सेवा करने का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर प्लेटिनम जुबली संयोजक विजय कुमार गोयल, संयोजक जगदीश प्रसाद अग्रवाल, उपसंयोजक आनन्द चौधरी, रजनीश अग्रवाल, संतोष गोयल, पूजा गिरीश अग्रवाल, मुरारीलाल गोयल, रमेश मंगल, जितेंद्र खेमका एवं साईंराम गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा कर समाज में सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया।

मैसूरु में भगवान श्रीराम की निकली रथयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां बन्नूर में रामदेवरू सेवा समिति के तत्वावधान में भगवान श्रीराम की रथयात्रा कृष्ण स्वामी के सान्निध्य में निकाली गई। मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर श्रीराम की प्रतिमा रथ पर विराजित किया गया। रथयात्रा बस स्टैंड, तेरु बिद्दी, ब्राह्मण बिद्दी आदि क़स्बा के मुख्य मार्गो से होते हुए पुनः रामदेवरू मंदिर परिसर पहुंची। रथ यात्रा का भक्तों ने जगह-जगह स्वागत कर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। प्रसाद का वितरण किया गया।ङ्कृष्ण स्वामी ने प्रवचन ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के सन्दर्भ में कई प्रसंग सुनाते हुए भक्तों को अनुसरण करने की सलाह दी। उन्होंने आगे बताया कि प्रभु श्रीराम भारतीय संस्कृति में 'मर्यादा पुरुषोत्तम' हैं, जो धर्म, आदर्श, त्याग और कर्तव्य का प्रतीक हैं। वे भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। जिन्होंने एक आदर्श राजा, पुत्र, पति और भाई के रूप में मानवता को सत्य के मार्ग पर चलना सिखाया। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि श्रीराम का जीवन विपरीत परिस्थितियों में भी संयम और प्रेम की शिक्षा देता है। राम ने विषम परिस्थितियों में भी मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

समर उपधान तप करवाने के लिए सुशील धाम पहुंचे आचार्य अरिहंतसागरसूरी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। समर उपधान समिति में उपधान तप में निश्रा प्रदान करने के लिए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी आदि श्रमण श्रमणी वृंद विहार करते हुए सुशीलधाम पहुँचे। गुरुभगवंतों के स्वागत हेतु तीर्थ व्यवस्थापक, उपधान तप के आयोजक समर उपधान समिति एवं लाभार्थी परिवार के सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे जिन्होंने कलश आदि शगुन दर्शाकर और अक्षत से वर्धापन करके आचार्यश्री का तीर्थ परिसर में प्रवेश कराया। प्रवेश के बाद सभी ने जिनालय में दर्शन-चैत्यवंदन किया। तीर्थ निर्माता सुराणा परिवार ने तीर्थ परिसर में उपधान तप हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी आचार्यश्री को दी। समर उपधान समिति के सदस्य कांतिलाल जैन ने बताया कि 7 अप्रैल को उपधान के आराधकों का आगमन तथा 8 अप्रैल से 47 दिवसीय साधना का प्रारंभ होगा।

हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के मां दधिमति सेवा धाम के तत्वावधान में श्री हनुमान जन्मोत्सव साहुकारपेट स्थित दाहिमा भवन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

सुबह मंगल पूजा और अभिषेक से महोत्सव प्रारम्भ हुआ। दोपहर में श्री दधिमती महिला मण्डल के तत्वावधान में पुरुष और महिलाओं द्वारा संगीतमयी सुंदरकांड का पाठ किया गया। महिलाओं द्वारा भजन प्रस्तुतियाँ दी गयी जिससे पूरा वातावरण भक्तिमई हो गया। राम नाम की माला गायी गई। संध्या आरती के बाद प्रभु की शोभा यात्रा दाहिमा भवन से प्रारम्भ होकर मंगप्पन स्ट्रीट, एलेफंट गेट , मिंट स्ट्रीट , एनएससी बोस रोड होते हुए पुनः दाहिमा भवन पहुँची। जिसमें सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया पूरी गालियाँ जय श्री राम के साथ गूंज रही थी।

जन्मोत्सव में धाम के न्यासी रघुनाथ हिंसोड़िया, वेंकटेश दाहिमा, अध्यक्ष विनोद व्यास, दीनदयाल व्यास नवरत्नमल व्यास, गोपाल व्यास, मुकेश पलोद, सुरेन्द्र इंटोडिया, ओमप्रकाश मिसर, गिरधारीलाल सूँठवाल, गोविंद तिवारी, विमल डोबा, सायरचंद, अनिल पंचारिया, निर्मल गौड़ सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

दया, करुणा, भक्ति, उदारता, परोपकार आदि से दान का जन्म होता है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शनिवार को संस्कार स्कूल के प्रांगण में महावीर लिम्ब सेंटर के 30वें स्थापना दिवस समारोह में शुक्रवार को मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धन की ऐसी कोई सीमा नहीं है, जो मनुष्य को संतुष्ट कर सके। दान देकर परम संतोष की अनुभूति की जा सकती है। दया, करुणा, भक्ति, उदारता, परोपकार, सेवाभावना, संवेदना आदि से दान का जन्म होता है। इस संसार को जीने के लिए सूर्य रोज उगता है और प्रकाश, प्राणवायु व ऊर्जा देता है। पेड़-पौधे फल देते हैं, बादल बरसते हैं और पानी मिलता है। नदियां बहती हैं और खेत-खलियान लहलहाते हैं। यदि प्रकृति देना छोड़ दें तो जीवन जीना दूभर हो जाएगा। इसी प्रकार दान देकर मनुष्य अपने सामाजिक कर्तव्य का परिपालन करता है। शक्ति होते हुए भी दान न देना, सरासर सामाजिक अन्याय है। ङ्कजैनाचार्य ने कहा कि दुनिया में दो तरह के गरीब होते हैं। एक अभाव से गरीब, दूसरे स्वभाव से गरीब। धन और सुविधाएं न होने से गरीब होना तो व्यक्तिगत मजबूरी है, दुर्भाग्य है। लेकिन धन होते हुए भी उदारता का अभाव होना, यह स्वभावगत गरीबी है। यह सामाजिक अन्याय है और इसका समय रहते उपचार होना चाहिए। लोभ सबसे खतरनाक होता है। लोभ की अत्याधिक मात्रा लाभ को भी खत्म कर देती है। इच्छाएं मनुष्य को बर्बाद कर देती हैं। दान देकर हम हल्के और पापमुक्त बनते हैं। देने की प्रवृत्ति सिर्फ मनुष्य में होती है और उसे धर्म के पथ पर चलकर पाया जाता है।ङ्कराज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टर समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा जैन समाज से जुड़ा रहा हूं। जैन समाज की पवित्रता, उदारता, मानवता और अपराधमुक्त जीवनशैली मुझे बहुत प्रभावित करती हैं, इसलिए मैं बार-बार जैन समाज के कार्यक्रमों में जाता रहता हूं। सांसद शेट्टर ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद ग्रहण कर संस्था का आभार जताया। जैनाचार्य ने उन्हें सरस्वती माता की तस्वीर प्रदान की। शेट्टर ने 30 वर्षों के महावीर लिम्ब सेंटर के योगदान को याद कर उसकी भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर अनेक दिव्यांगजनों को हाथ-पैर प्रदान किए गए। श्रद्धालुओं ने हजारों रुपयों के दान दिए।

व्यक्ति के पतन का कारण बन सकता है पल भर का प्रमाद : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

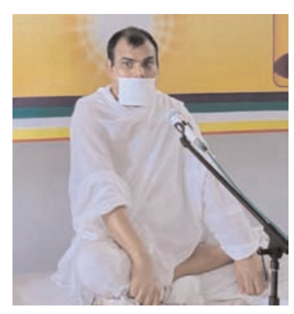

चेन्नई। यहाँ एमसी रोड स्थित जैन भवन में श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने शनिवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में जो भी उपलब्ध किया जाता है वह जाग कर ही किया जाता है। जो जागता है सो पाता है। जीवन में सदैव जागरूक व सावधान बने रहना चाहिए। व्यक्ति संसार की उपलब्धियों के प्रति जितना सजग रहता है अपनी आत्मा के हित के प्रति उतना ही उदासीन बन जाता है। आत्मा के हित के कार्य के सिवाय जितने भी कार्य हैं वे सब प्रमाद कहलाते हैं अपनी आत्मा का हित चाहने वाले साधक को प्रमाद से बचने का प्रयत्न करना चाहिए। पल भर का प्रमाद व्यक्ति के पतन का कारण बन सकता है। जीवन में करणीय कर्तव्यों की उपेक्षा और अकरणीय कार्यों में दिलचस्पी रखना जिंदगी की गंभीर भूल है।

मुनिश्री ने कहा कि जब तक शरीर स्वस्थ है मन प्रसन्न है इन्द्रिय सशक्त हैं तब तक धर्म का आचरण कर लेना चाहिए। यह शरीर ढेर सारी व्याधियों का घर है। जब तक पुण्यबल सक्रिय है तब तक सभी रोग दबे हुए हैं। पुण्य क्षीण होने पर जब रोगों का उत्पात मचना शुरू हो जाएगा तब व्यक्ति चाहकर भी धर्म की आराधना करने में सक्षम नहीं हो पायेगा। हाथ मलते हुए यही कहना पड़ेगा कि अच्छे दिन पीछे गए, प्रभु से किया न हेत, अब पछताये क्या होत है जब चिड़िया चुग गयी खेत। मुनिश्री ने कहा कि दान देते धन गया, तप करते शरीर क्षीण हो गया और शील पालने में यौवन व्यतीत हो गया तो इनको व्यर्थ गया हुआ मत समझो। धन की सार्थकता दान देने में तन का सार व्रत धारण करने में और यौवन की सार्थकता सदाचार के पालन में है। जीवन का मार्ग संघर्ष और कठिनाइयों का मार्ग है इसे निर्बाध और निर्विघ्न बनाने के लिए धर्म का आलंबन जरुरी है। जीवन में कदम कदम पर कर्मों के खतरा का साया मंडरा रहा है। पुन्यवानी के क्षीण होते ही कर्म उत्पात मचाना शुरू कर देते हैं। मुनिश्री ने कहा कि धर्म के समक्ष ही कर्म की शक्ति शिथिल और परास्त होती है। जब तक शरीर की स्वस्थता और वातावरण की अनुकूलता है तब तक आत्म कल्याण और कर्म निर्जरा हेतु धर्म पुरुषार्थ के एक भी अवसर को गंवाने की भूल नहीं करनी चाहिए। इस मौके पर अशोक कांकरिया, धर्मीचंद खींवसरा,गौतमचंद श्रीश्रीमाल, महेन्द्र चौरड़िया, गौतमचंद बाघमार, भीकमचंद श्रीश्रीमाल, सुरेश कांकरिया, अशोक खटोड़, महेश सिंघवी आदि सहित श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतियोगिता

बेगलूरु के हंपी नगर युवक संघ द्वारा हंपी नगर स्थित चंद्रशेखर आजाद खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा पुनीत राजकुमार मेमोरियल कप-2026 का आयोजन किया, जिसमें 20 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं फिट रहने के लिए खेल एवं व्यायाम को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.